● वर्ष-3
● अंक-260
रायपुर, रविवार
09 जून 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

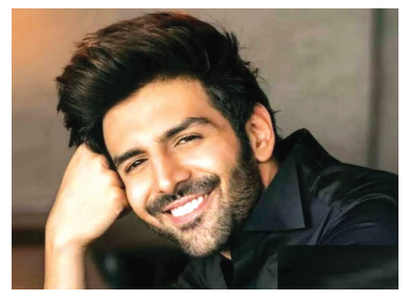

पेज-6›› भूल भुलैया 3 और लव स्टोरी ड्रामा...

आज प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे मोदी

दिखेगी नेबरहुड फर्स्ट की झलक, मंत्रियों के फॉर्मूले पर मंथन जारी

नई दिल्ली। भारत ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पड़ोसी देशों के कई नेताओं को आमंत्रित किया है। समारोह रविवार, 9 जून को शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन में होगा। उसी शाम, प्रधानमंत्री के नए मंत्रिमंडल का हिस्सा बनते हुए मंत्रिपरिषद भी अपने पद और गोपनीयता की शपथ लेगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कई नेताओं ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और समारोह में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे।

मंथन का दौर

प्रधानमंत्री पद के लिए नामित नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार रविवार को शपथ लेंगे और वह प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे राजनेता होंगे। इस बीच, नयी सरकार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विभिन्न घटकों के लिए मंत्रिपरिषद में हिस्सेदारी को लेकर भाजपा नेतृत्व और सहयोगी दलों के बीच गहन विचार-विमर्श चल रहा है। अमित शाह

और राजनाथ सिंह के अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता सरकार में प्रतिनिधित्व को लेकर तेलुगु देशम पार्टी के एन. चंद्रबाबू नायडू, जेडी(यू) के नीतीश कुमार और शिवसेना के एकनाथ शिंदे सहित सहयोगी दलों से परामर्श कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि गृह, वित्त, रक्षा और विदेश जैसे महत्वपूर्ण विभागों के अलावा शिक्षा और संस्कृति जैसे दो मजबूत वैचारिक पहलुओं वाले मंत्रालय भाजपा के पास रहेंगे, जबकि उसके सहयोगियों को पांच से आठ कैबिनेट पद मिल सकते हैं। पार्टी के भीतर जहां शाह और सिंह जैसे नेताओं का नये मंत्रिमंडल में शामिल होना तय माना जा रहा है, वहीं लोकसभा चुनाव जीतने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जैसे शिवराज सिंह चौहान, बसवराज बोम्मई, मनोहर लाल खट्टर और सर्बानंद सोनोवाल सरकार में शामिल होने के प्रबल दावेदार हैं। सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राम मोहन नायडू, जद(यू) के ललन सिंह, संजय झा और राम नाथ ठाकुर तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान उन सहयोगियों में शामिल हैं जो नयी सरकार का हिस्सा हो सकते हैं। महाराष्ट्र, जहां भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन का प्रदर्शन खराब रहा है, और बिहार, जहां विपक्ष ने वापसी के संकेत दिए हैं, सरकार गठन की कवायद के दौरान फोकस में हो सकते हैं महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि बिहार में अगले साल चुनाव होंगे।

ये नेता होंगे शामिल

- श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे
- मालदीव के राष्ट्रपति डॉ मोहम्मद मुइज्जू
- सेशेल्स के उपराष्ट्रपति, अहमद अफीफ
- बांग्लादेश के प्रधान मंत्री, शेख़ हसीना
- मॉरीशस के प्रधान मंत्री, प्रविन्द कुमार जुगनाथ
- नेपाल के प्रधान मंत्री, पुष्प कमल दहल प्रचंड
- भूटान के प्रधान मंत्री, शेरिंग टोबगे

विपक्ष ने क्या कहा

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण फिलहाल 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं को नहीं मिला है, लेकिन न्योता मिलने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, मुझे (निमंत्रण) नहीं मिला है, न ही मैं जाऊंगी।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गईं सोनिया

राहुल को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त करने का भी प्रस्ताव पास

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को संसद के सेंट्रल हॉल में संसदीय दल की बैठक की और सर्वसम्मति से पूर्व पार्टी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को संसदीय दल का अध्यक्ष चुना। उनके नाम का प्रस्ताव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया, उसके बाद पार्टी नेता गौरव गोगोई, तारिक अनवर, के सुधाकरन ने उनका नाम प्रस्तावित किया। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह अच्छा है कि वह (सोनिया गांधी) सीपीपी के रूप में फिर से चुनी गईं और वह हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।

सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि सोनिया गांधी जी को सर्वसम्मति से कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) का अध्यक्ष चुना गया है। वहीं, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने आज (8 जून) राहुल गांधी को 18वीं लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पूर्व पार्टी प्रमुख जल्द ही कोई निर्णय लेंगे।

उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूसी ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद लेने का अनुरोध किया है। संसद के अंदर इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए वह सबसे अच्छे व्यक्ति हैं।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें लोकसभा चुनाव के दौरान खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी के 'जोरदार प्रचार अभियान' के लिए उनकी सराहना की गई। इसमें 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों को भी धन्यवाद दिया गया।

विस्तारित कार्य समिति की बैठक में पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कार्य समिति के अन्य सदस्य एवं वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्य समिति ने राहुल गांधी से नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह करते हुए भी एक प्रस्ताव पारित किया।

छत्तीसगढ़ के नव निर्वाचित लोक सभा सदस्यों के सम्मान में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में रात्रिभोज का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि सांसदों की भूमिका राज्य के विकास में अहम है और सभी को मिलकर छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए कार्य करना होगा।

नीतीश को दिया गया पीएम पद का ऑफर?

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार को गठबंधन में लाने के लिए विपक्षी दल इंडिया गुट ने प्रधानमंत्री पद की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। ऐसा पार्टी नेता केसी त्यागी ने दावा किया है। हालांकि, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी के पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि इंडिया ब्लॉक नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के लिए संपर्क कर रहा है।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। केवल वह ही इस (दावे) के बारे में जानते हैं। यह रहस्योद्घाटन उन अटकलों के बीच हुआ है कि इंडिया गुट जद (यू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के साथ तालमेल बिठा रहा है, जो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी हैं, ताकि केंद्र में सरकार बनाने के लिए संख्या बल जुटाया जा सके। इंडिया ब्लॉक ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को धता बताते हुए 2024 के लोकसभा चुनावों में जोरदार प्रदर्शन किया और 543 में से 234 सीटें जीतीं।

दूसरी ओर, एनडीए ने 293 सीटें हासिल कीं, जबकि बीजेपी को 240 सीटें मिलीं, जो बहुमत के आंकड़े से 32 कम है।

त्यागी ने कहा कि उन्होंने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है और मजबूती से एनडीए के साथ हैं। त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार को इंडिया ब्लॉक से प्रधानमंत्री बनने का ऑफर मिला। उन्हें उन लोगों से प्रस्ताव मिला जिन्होंने उन्हें इंडिया ब्लॉक का संयोजक नहीं बनने दिया। उन्होंने इससे इनकार कर दिया है और हम मजबूती से एनडीए के साथ हैं।

आयरलैंड में आज भारत-पाक मैच

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच रविवार को हाईवोल्टेज मैच खेला जाएगा. टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मैच में दोनों टीमें 9 जून को भिड़ रही हैं. आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीतकर टीम इंडिया के हौसले बुलंद हैं वहीं यूएसए से मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान का मनोबल गिरा हुआ है. बावजूद इसके टीम इंडिया अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की भूल कतई नहीं करेगी. टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन को एक सप्ताह हो गए. इस दौरान कई बड़े उलटफेर देखने को मिले. टीम इंडिया लगातार दूसरी जीत दर्ज कर सुपर 8 के लिए मजबूती से कदम बढ़ाना चाहेगी.

प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्टल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं छात्रों से संवाद कर उन्हें सफलता के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, आदिम जाति अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज भी साथ रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हॉस्टल की सुविधाओं का जायजा लिया और देखा कि छात्रों को किस प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने हॉस्टल की सफाई, सुरक्षा और खानपान की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया।

पांडियन मेरे उत्तराधिकारी नहीं- नवीन पटनायक

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के कुछ दिनों बाद, राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि बीजू जनता दल (बीजेडी) नेता वीके पांडियन उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं और बताया कि राज्य के लोग इस पर फैसला करेंगे। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी पांडियन ने दो दशकों से अधिक समय तक पटनायक के निजी सचिव के रूप में कार्य किया है। 2023 में नौकरशाही से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद वह बीजेडी में शामिल हो गए। ओडिशा के भुवनेश्वर में पत्रकारों से बातचीत में, पटनायक ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि पांडियन ने स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और मंदिर जीर्णोद्धार के हमारे कार्यक्रम में भी काम किया है और मदद की है। पांडियन पार्टी में शामिल हुए लेकिन उनके पास कोई पद नहीं है। मैंने हमेशा स्पष्ट रूप से कहा है कि जब उन्होंने मुझसे मेरे उत्तराधिकारी के बारे में पूछा, तो मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह पांडियन नहीं थे। मैं इसे दोहराता हूं। ओडिशा की जनता मेरा उत्तराधिकारी तय करेगी।

जनता के बीच जाएं मंत्री और विधायकः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार के मंत्रियों और जन प्रतिनिधियों को वीआईपी संस्कृति नहीं अपनानी चाहिए। यूपी सरकार के एक बयान में योगी आदित्यनाथ के मंत्रिपरिषद की एक विशेष बैठक में कही गई बात के हवाले से कहा गया है, हम सभी को सतर्क रहना होगा ताकि हमारी कोई भी गतिविधि वीआईपी संस्कृति को प्रतिबिंबित न करे। भाजपा नेता ने अपने मंत्रियों को संवाद, समन्वय, संवेदनाशीलता का मंत्र देते हुए उन्हें नियमित रूप से लोगों के बीच जाने और रहने का निर्देश भी दिया। योगी ने कहा कि सरकार जनता के लिए है और जनहित हमारे लिए सर्वोपरि है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं का समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई को प्राथमिकता देना, आम आदमी की संतुष्टि और राज्य की प्रगति, यूपी सरकार के सभी लोक कल्याण प्रयासों के मूल में है।

राहुल गांधी के रायबरेली बरकरार रखने की संभावना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली लोकसभा सीट बरकरार रखने की संभावना है और उनके केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देने की संभावना है, पार्टी सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में उन्होंने भारी अंतर से दोनों सीटें जीतीं। इस मामले पर अंतिम फैसला 17 जून से पहले आने की उम्मीद है। शनिवार को हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में नेता इस बात पर बंटे हुए थे कि राहुल गांधी को रायबरेली या वायनाड सीट बरकरार रखनी चाहिए या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, केरल के कोडिक्कुन्निल सुरेश जैसे सांसदों ने राहुल गांधी के लिए वायनाड सीट बरकरार रखने का तर्क दिया, जबकि रायबरेली के लिए आवाजें अधिक प्रमुख थीं। उत्तर प्रदेश से कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने तर्क दिया कि रायबरेली गांधी परिवार की पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक सीट है और राहुल गांधी को इसे अपने पास रखना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि नेताओं ने यह भी तर्क दिया कि राहुल गांधी का रायबरेली को बरकरार रखना उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के राजनीतिक पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें 80 लोकसभा सीटें हैं।

देखते हैं एनडीए सरकार कितने दिन चलती है: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गईं। पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा का उपनेता, कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया है। पार्टी ने बताया कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ%ब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता चुना गया, पार्टी नेता सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष, पार्टी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में उपनेता, कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ%ब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता, सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे खेद है, लेकिन मैं एक असंवैधानिक, अवैध पार्टी को सरकार बनाने के लिए शुभकामनाएं नहीं दे सकती।

मोदी मैजिक के दम पर ही बन रही है तीसरी बार एनडीए सरकार

दीपक कुमार त्यागी

भारत में लोकतंत्र के महापर्व के अंतिम परिणाम फिर एक बार फिर देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार के रूप में आ गये हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के मैजिक के बावजूद हिन्दू वोटरों के जात-पात में बंट जाने के चलते देश में गठबंधन युग वापस आ गया है, जो कि देश में मजबूत सरकार व ताकतवर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हालांकि देश में इंडिया गठबंधन को आशा से अधिक सफलता मिली है, लेकिन वह लाख प्रयासों के बावजूद भी देश की जनता के मन में रच बसे मोदी मैजिक का पूरी तरह से तोड़ अभी तक भी नहीं ढूंढ पाया है। आज भी मोदी की गारंटी में देश के बहुत बड़े आम जनमानस का विश्वास बना हुआ है।

लोकसभा के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो देश में 10 साल से चली आ रही नरेंद्र मोदी की सरकार के विरोध में सत्ता विरोधी माहौल होने के बावजूद भी नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार सरकार बनाने के लिए भाजपा व एनडीए गठबंधन के लिए सम्मानजनक बहुमत का बंदोबस्त कर ही दिया है। भाजपा के द्वारा लगभग एक तिहाई अपने मौजूदा सांसदों के टिकट काटने के बावजूद भी मोदी मैजिक के दम पर तीसरी बार एनडीए की सरकार बना कर के इतिहास रचने का कार्य नरेंद्र मोदी ने किया है। ऐसा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गठबंधन के बहुत सारे नेताओं के प्रधानमंत्री बनने के सपने को परवान नहीं चढ़ने दिया। इस बार लोकसभा चुनावों में भाजपा ने अकेले दम पर 240 सीटों जीत कर के और एनडीए गठबंधन ने 293 सीट जीत कर के तीसरी बार सरकार बनाते हुए इतिहास रच दिया है। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही देश व दुनिया के राजनीतिक विश्लेषक वर्ष 2024 के जनता के इस फैसले के निहितार्थ क्या हैं? यह आंकलन करने में लगे हैं।

मेरा मानना है कि जनवरी 2024 में उत्तर प्रदेश की पावन व दिव्य नगरी अयोध्या धाम में रामजन्म भूमि की ऐतिहासिक धरा पर हम सभी सनातन धर्मियों के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दिव्य, भव्य व अलौकिक ऐतिहासिक मंदिर में प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप की अद्भुत प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में देश में जबरदस्त माहौल बन गया था। जिसके चलते उम्मीद थी कि देश को फिर से एक बार एक दल की पूर्ण बहुमत वाली केंद्र सरकार का तोहफा मिलेगा, उस माहौल के चलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था। लेकिन हिन्दू मतदाताओं के इस बार जातियों में बंट जाने के चलते नरेंद्र मोदी का यह सपना पूरा नहीं हो पाया। हालांकि भाजपा के अधिकतर प्रत्याशी भी केवल नरेंद्र मोदी के मैजिक के भरोसे ही बैठे रहे थे, उन्होंने जनता से ढंग से वोट तक नहीं मांगी जिसके चलते मोदी का अबकी बार 400 पार का सपना पूरा नहीं हो पाया।

हालांकि 4 जून चुनाव परिणाम के शुरुआती रुझानों में भी यह लगने लगा था कि इंडिया गठबंधन आसानी से भाजपा की सरकार नहीं बनने देगा, उसके नेता दावा कर रहे थे कि इंडिया गठबंधन अपनी सरकार बना लेगा। लेकिन धीरे-धीरे जैसे वोटों की गिनती आगे बढ़ने लगी मोदी मैजिक ने अपना कमाल दिखा ही दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने के लिए जनता ने स्पष्ट बहुमत दे दिया। लेकिन 39.56 प्रतिशत मत यानी की पूरे देश में 23 करोड़ 59 लाख 73 हजार 9 सौ 35 मत हासिल करने के बाद भी भाजपा पूर्ण बहुमत हासिल करने से चूक गयी। हालांकि वर्ष 2019 में भी भाजपा को 37.7 प्रतिशत मत मिले थे, लेकिन इस बार मात्र 1.14 प्रतिशत कम मत हासिल करने पर ही भाजपा की झोली से 63 सीटें निकल गयी, जो भाजपा के लिए एक बड़ा झटका है।

वैसे देश की जनता के एक बहुत बड़े वर्ग ने नरेंद्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व से प्रभावित होकर के भाजपा व एनडीए गठबंधन को वोट देने का कार्य किया है, उन्होंने मोदी के नेतृत्व में ही एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत देकर के इंडिया गठबंधन के नेताओं व उनकी नीतियों के खिलाफ़ वोट देना का कार्य किया है। आम जनमानस के बड़े वर्ग ने भारत में एक मजबूत नेतृत्व वाली, देश के सर्वांगीण विकास के लिए पुनः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूर्ण विश्वास जताने का कार्य किया है। लोगों को आशा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तेजी के साथ पिछले 10 वर्षों से देश में आधारभूत ढांचे के निर्माण करने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, वह वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजे एनडीए गठबंधन के पक्ष में आने के बाद से निर्बाध रूप से चलता रहेगा, उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्ववर्ती गठबंधन वाली सरकारों की तरह किसी भी तरह से गठबंधन के दवाब में आ करके काम नहीं करेंगे, जो स्थिति विकासशील भारत के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि इस बार के चुनावों के परिणामों आने के बाद अब भी नरेंद्र मोदी दुनिया की लोकप्रिय शख्सियतों की सूची में शुमार हैं, जो एक नये भारत के निर्माण के लिए अच्छा संकेत है।

नारायणपुर मुठभेड़ में 6 नक्सली ढेर, 3 जवान घायल

■ हथियार व नक्सल सामग्री बरामद

नारायणपुर। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बस्तर जिले की सीमा में शुक्रवार दोपहर तीन बजे गोबेल के जंगल में पुलिस एवं नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने 6 वर्दीधारी नक्सलियों मार गिराया। मुठभेड़ के पश्चात सुरक्षा बलों द्वारा घटनास्थल की सर्चिंग के दौरान अब तक 3 महिला नक्सली के शव एवं 3 पुरुष नक्सली के शव सहित कुल 6 नक्सलियों के शव एवं हथियार जिसमें 1 नग 303 रायफल, 1 नग .315 बोर रायफल, 3 नग 12 बोर रायफल व 1नग बीजीएल लांचर सहित कुल 6 हथियार व अन्य नक्सल सामग्री बड़ी मात्रा में बरामद किया गया है। बरामद नक्सलियों के शवो की शिनाख्तगी की जा रही है। मुठभेड़ में शामिल जवानों का दावा है कि मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सली घायल हुए हैं।

पुलिस के अनुसार मुखबीर से सूचना मिली कि पूर्व बस्तर डिवीजन इलाके में मुंगेड़ी, गोबेल गांव के जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद दंतेवाड़ा, नारायणपुर, जगदलपुर और कोंडागांव जिले की डीआरजी, 45वीं वाहिनी आईटीबीपी, एवं सीआरपीएफ की टीम को मौके के लिए छह जून को रात में रवाना हुई थी। सात जून को पुलिस और नक्सलियों के बीच दिनभर चली मुठभेड़ के बाद पुलिस के द्वारा जारी पहले विज्ञप्ति में 5 नक्सलियों के मारे जाने एवं शव और हथियार बरामद किए जाने एवं 3 जवानों के घायल होने की जानकारी दी गई, वही आज सुबह 12 बजे जारी विज्ञप्ति में 6 नक्सलियों के मारे जाने एवं शव और हथियार बरामद किए जाने एवं 3 जवानों के घायल होने एवं घायलों को हेलीकाप्टर से रायपुर भेजे जाने एवं घायल जवानों की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर होने तथा आज शाम 04 बजे जगदलपुर के त्रिवेणी परिसर में बस्तर आईजी संबंधित डीआईजी, एसपी एवं सीआरपीएफ के अधिकारियों के द्वारा विस्तृत जानकारी विस्तार से दिए जाने की सूचना विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि इस मुठभेड़ में नारायणपुर डीआरजी के तीन जवान भी घायल हुए हैं। घायल जवानों को उपचार के लिए हेलीकाप्टर से रायपुर भेजा गया है, घायल जवानों की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है। उन्होने बताया कि मुठभेड़ समाप्त हो गई है, जवान वापस लौट रहे हैं, वापसी के बाद आज शाम 04 बजे जगदलपुर के त्रिवेणी परिसर में विस्तृत जानकारी विस्तार से दी जाएगी।

शादी से लौट रहे युवक को नक्सलियों ने मारी गोली

जगदलपुर। कोंडागांव जिले के धनोरा थाना क्षेत्र के ग्राम तिमड़ी में बीती रात नक्सलियों ने शादी समारोह से लौट रहे एक युवक को गोली मार उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गई। वहीं, युवक की मौत से घर में शोक की लहर छा गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामले की जानकारी देते हुए धनोरा थाना प्रभारी यशवंत कुमार ने बताया कि तिमड़ी स्कूल पारा में रहने वाला दिनेश मण्डावी 33 वर्ष जो कि खेती किसानी का काम करता था, अपने साले के साथ गांव के ही एक परिवार के घर चल रहे शादी समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार की रात गया हुआ था शादी से वापस पैदल अपने घर साले के साथ जा रहा था कि अचानक पहले से घात लगाए 3 से 4 नक्सली आ पहुंचे और दिनेश के पीठ में एक गोली मारकर फरार हो गए। साथ में मौजूद साले ने इसकी जानकारी परिजनों और पुलिस को दी।

घायल को पहले धनोरा लाया गया उसके बाद बेहतर उपचार के लिए केशकाल के अस्पताल लाया गया। जहां उपचार से पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद नक्सलियों की ओर से कोई भी जानकारी नहीं दी कि आखिर दिनेश की हत्या क्यों कि गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिपं सीईओ ने उरईडबरी के सचिव को किया निलंबित

ग्राम पंचायत टेडेसरा और तोरणकट्टा के सचिवों पर लगाया गया जुर्माना

राजनांदगांव। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने राजनांदगांव, डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ विकासखण्ड के विभिन्न ग्राम एवं ग्राम पंचायतों का आकस्मिक निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने ग्राम पंचायत उरईडबरी, अंजोरा, देवादा, टेडेसरा, तोरणकट्टा, कोपेडीह, तुमड़ीबोड़ के पंचायत कार्यालयों, विकास कार्यों एवं स्वच्छता का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने डोंगरगढ़ जनपद पंचायत के उरईडबरी ग्राम पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। सचिव ग्राम पंचायत उरईडबरी को कई दिनों से पंचायत नहीं आने तथा निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये जाने पर निलंबित किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिवों को मुख्यालयों में रहने के निर्देश दिए है।

उन्होंने राजनांदगांव जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत देवादा में गंदगी अधिक पाये जाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने ग्राम पंचायत देवादा में गंदगी और साफ-सफाई नहीं होने पर ग्राम पंचायत सचिव कारण बताओ नोटिस और 250 रूपए का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत देवादा में चल रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम पंचायत टेडेसरा और तोरणकट्टा के ग्राम मनकी में गंदगी पाये जाने पर संबंधित सचिव पर 250 रूपए का जुर्माना लगाया है।

उन्होंने राजनांदगांव जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत अंजोरा में स्वच्छता दीदीयों को कचरा संग्रहण के लिए प्रोत्साहित किया। ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छता दीदीयों को प्रतिमाह प्रत्येक घर से 30-30 रूपए शुल्क दिया जाता है। सीईओ जिला पंचायत ने डोंगरगांव जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कोपेडीह के सचिव से पंजी संधारण की जानकारी ली। उन्होंने नेशनल हाईवे किनारे निर्मित सामुदायिक शौचालय को उपयोग में लाने का निर्देश दिया। ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड़ में घर-घर कचरा संग्रहण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी दुकानदारों के साथ यूजर शुल्क लेने के लिए अनुबंध करने के निर्देश दिया। साथ ही घर-घर से यूजर शुल्क भी संग्रहण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत से स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक तथा जनपद पंचायत सीईओ एवं जनपद पंचायत के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

गजराज को आया गुस्सा, सड़क पार करते समय लोगों ने छेड़ा

रौद्र रूप में आए हाथी ने तोड़ी बाइक, बाल-बाल बचा युवक

कोरबा। कोरबा जिले में तीन हाथी सड़क पार कर रहे थे इसी दौरान राहगीरों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। जिससे गुस्साए हाथी ने सड़क पर जमकर उत्पात मचाया। जिसके चलते सड़क के दोनों तरफ यात्री बस समेत अन्य वाहनों की लंबी लाइनें लग लगई।

वहीं, हाथी के पास से एक बाइक सवार जा रहा था, हाथी का रौद्र रूप देख वह हड़बड़ी में बाइक से नीचे गिर गया। उसने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद हाथी ने बाइक पर अपना गुस्सा निकाला। हाथी ने पटक-पटक कर बाइक को तोड़ दिया। हाथी का रौद्र रूप देखकर सभी लोग डर गए और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हाथी आधे घंटे तक सड़क पर इधर से उधर धूमता रहा। हाथी कभी ट्रक को धक्का देता नजर आया तो कभी सड़क के दोनों तरफ वाहन की तरफ दौड़ता रहा।

ये पूरा मामला कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज के कापा नावापारा का है। वन कर्मियों ने बताया कि जंगल के रास्ते से आ रहे तीन हाथी सड़क पार कर रहे थे। तभी लोगों ने हाथियों को देख हल्ला मचाना शुरू कर दिया। तीन हाथियों में से एक हाथी सड़क पर ही रूक गया और उसने जमकर उत्पात मचाया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया लेकिन उसके बावजूद भी लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे। हाथी के करीब जाने का कोशिश कर रहे थे। किसी तरह हाथी का रेस्कयू कर जंगल की ओर खदेड़ा गया तब जाकर लोगों ने और वनकर्मियों ने राहत की सांस ली।

कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार ने बताया कि 40 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है, जहां कुछ हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। उसके बाद फिर मिल जाते है ये जो हाथी था वो दंतैल था, जो काफी आक्रामक होते हैं। आसपास गांव में मुनादी कराई जा रही है कि वह जंगल की ओर न जाएं।

फ्लोराईड युक्त पानी पीकर सैंकड़ों ग्रामीण हुए बीमार

7 साल पहले हुई जांच, अब तक पीने के पानी का दूसरा विकल्प नहीं

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के देवभोग तहसील में ग्रामीण फ्लोराईड युक्त पानी पीकर बीमार पड़ रहे हैं। 5 साल के बच्चे से लेकर 55 साल के बुजुर्गों पर फ्लोराई युक्त पानी का असर देखने को मिल रहा है। लेकिन प्रशासन ने अब तक समस्या का स्थाई हल नहीं किया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग भी इससे बेखबर है।

बता दें, देवभोग तहसील के 40 गांव में आज से 7 साल पहले ही फ्लोराइड की पुष्टि हो गई थी। लेकिन अब तक इस समस्या का समाधान नहीं किया गया। देवभोग के अंतर्गत नांगलदेही गांव के हर घर में लोग हड्डियों की बीमारी से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि 700 लोगों की आबादी वाले गांव में 300 से ज्यादा लोगों पर फ्लोराइड का असर है। वहीं 60 से ज्यादा लोगों के हड्डियों में समस्या आ गई है।

फ्लोराइड प्रभावित गांव में सबसे उपर नाम नांगलदेही का आता है। तीन साल पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक यहां के सोर्स में मिनिमम 6 पीपीएम से ले कर अधिकतम 14 पीपीम तक फ्लोराइड होने की पुष्टि हुई है। जबकि सामान्य सोर्स में 1.5 पीपीएम से

कम तक मानव शरीर के लिए ठीक माना गया है।

फ्लोराईड से पीड़ित मधुसूदन नागेश पिछले 6 सालों से कमर टेढ़ा होने की बिमारी झेल रहे हैं। उन्होंने बताया कि बढ़े हुए फ्लोराइड की जानकारी सबको है, पर विकल्प का किसी ने इंतजाम नही किया। कुंए के पानी में भी फ्लोराइड की 6 पीपीएम की मात्रा है।

नागेश ने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं तीनो के दांत पीले हैं। पूरे गांव में 200 से ज्यादा युवा बच्चे दांत पीले होने के शिकार हो चुके हैं। इसके अलावा गांव में 100 से ज्यादा वयस्क ऐसे हैं जिन्हे हड्डी संबंधी विकार का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि 700 की आबादी वाले इस गांव में 300 से ज्यादा ग्रामीणों पर फ्लोराइड का असर स्पष्ट नजर आ रहा है। जांच की गई तो और भी बातें सामने आएगी।

ग्रामीणों ने बताया, कि फ्लोराईड न केवल स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है बल्कि नए रिश्ते में भी बाधा बन रहा है। जवान युवक-युवकों के पीले दांत देखकर लोग रिश्ता ठुकरा देते हैं। इससे ग्रामीणों को नए रिश्ते बनाते समय अपमानित होना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार, तीन साल पहले स्कूलों में लगे वाटर सोर्स की जांच में पता चला कि पानी में फ्लोराईड की मात्रा अधिक पाई गई है। जिसके बाद पीएचई विभाग ने सभी 40 स्कूलों में 6 करोड़ रुपए खर्च कर फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगवाया। लेकिन इनमें से 9 ऐसे जो सोर्स व अन्य तकनीकी खामियों के कारण शुरू भी नहीं हो सके। जबकि ज्यादातर प्लांट 3 से 4 माह चले और देख रेख के अभाव में बंद हो गए। अब पिछड़े डेढ़ साल से ग्रामीणों के पास फ्लोराइड युक्त पानी पीने के अलवा कोई दूसरा विकल्प नही है।

जानकारी के मुताबिक, फ्लोराईड रिमूवल प्लांट लगाने के लिए जून 2021 में आशीष बागड़ी नाम के फर्म से अनुबंध कर कार्य आदेश जारी किया गया। 6 प्रतिशत एवज में आसानी से काम मिला हुआ था। फर्म के राजनीतिक संबंध होने के कारण अफसरों ने आंख बंद कर काम करवाया। प्लांट शुरू होने से पहले भुगतान भी करते गए। लेकिन प्रति माह मेंटेनेंस व भारी देख रेख वाले इस प्लांट के मेंटेनेंस कैसे किया जाएगा ध्यान नही दिया गया और 2022 में काम पूरा होते होते ज्यादातर प्लांट बंद होते गए। वहीं नए अफसरों की पोस्टिंग हुी तो मेंटेनेंस की मंजूरी के लिए सरकार के पास फाइल बढ़ा दिया गया,पर अब तक इसकी मंजूरी नहीं मिली है। करोड़ो के प्लांट अब सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। नांगलदेही के अलावा कई स्कूल में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर मुंबई से भी आर ओ वाटर प्लांट लगाए गए हैं, जिसकी भी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

इस मामले में डॉक्टर सुनील रेड्डी ने बताया कि नांगलदेही में किसी भी ग्रामीण ने इलाज के लिए संपर्क नही किया है। अगर ऐसा है, तो जांच कराएंगे। पीड़ित मिले तो आवश्यक उपचार भी कराए जायेंगे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नगर पंचायत बस्तर का सम्पूर्ण क्षेत्र नजूल घोषित

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के तहत कलेक्टर विजय दयाराम के द्वारा बस्तर जिले के अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत बस्तर के सीमाओं के सम्पूर्ण क्षेत्र को नजूल घोषित किया गया है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1968 की धारा 2 में दी गई नगरीय क्षेत्र की परिभाषा के अनुसार किसी ग्राम को स्थानीय निकाय घोषित करने अथवा उसकी सीमाओं में सम्मिलित करने से ग्राम की आबादी तथा अन्य महत्वपूर्ण खुली भूमि नजूल हो जाती है। राज्य शासन के द्वारा प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य नगरपालिका अधिनियम 1961 (कमांक 37 सन् 1961) की धारा 29 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों के अधीन नगर पंचायत बस्तर के 15 वार्डों की सीमाओं के अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड चार के प्रावधानों के अन्तर्गत नजूल घोषित किया गया है। नजूल क्षेत्र घोषित होने के कारण राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड चार 1 के प्रावधानों के अनुसार भूखण्डों के भू-भाटक के निर्धारण एवं पुनरीक्षण की कार्यवाही संपादित की जावेगी।

नक्सल प्रभावित इलाकों के बच्चों ने किया नीट क्वालीफाई

जगदलपुर। इस बार नीट क्वालीफाई करने वाले बच्चों में दंतेवाड़ा के विधायक रहे भीमा मंडावी की जहां हत्या हुई थी, उस गांव का लखूराम पोड़ियामी और बस्तर के पहले बारूदी विस्फोट वाले गांव बंगोली का समीर मरकाम भी शामिल है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित ज्ञानगुड़ी कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करने वाले 76 बच्चों में 64 ने नीट क्वालीफाई किया है। इनमें 36 बच्चे रेगुलर क्लास के हैं, जबकि अन्य ने क्रैश कोर्स व समय-समय पर कोचिंग ली है। नीट क्वालीफाई करने वाले बच्चों से कलेक्टर विजय दयाराम ने मुलाकात करने के साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई लक्ष्य नहीं होता। कर्तव्य करते रहें, सफलता कदम चूमती है। आपकी सफलता से बस्तर गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर ने कहा कि यह पहली बार हुआ है कि बस्तर के बच्चों ने डॉक्टर बनने नीट क्वालीफाई किया। उन्होंने कहा कि 'ज्ञानगुड़ी' का मकसद यही है कि विकास को पंख मिले। आपकी सफलता को देखकर और हजारों बच्चों को प्रेरणा मिलेगी।

3 प्रधान आरक्षक और 19 आरक्षक का हुआ तबादला

जशपुरनगर। पुलिस कप्तान शशि मोहन सिंह ने 3 प्रधान आरक्षक और 19 आरक्षक को तबादला आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार प्रधान आरक्षक विजय खुटे को लोदाम से सन्ना, प्रदीप लकड़ा को सन्ना से नक्सल सेल, रटनेश यदु को रक्षित लाइन (नक्सल सेल) से लोदाम, आरक्षक शिव कुमार राम को तपकरा से जशपुर, धीरेन्द्र मधुकर को जशपुर से तपकरा, नंदलाल यादव (सायबर सेल) को जशपुर से कुनकुरी,मनोज जांगड़े को मनोरा से सन्ना,परशुराम को सन्ना से करडेगा, शैलेन्द्र सिंह को पत्थलगांव से रक्षित लाइन,रोशन कुमार को रक्षित लाइन जशपुर से मनोरा,प्रमोद रोतिया कुनकुरी से रक्षित लाइन जशपुर,पूनम लाल यादव कुनकुरी से रक्षित लाइन जशपुर,अनिल करकेट्टा रक्षित लाइन से पत्थलगांव, देवनारायण राम रक्षित केंद्र से कुनकुरी, सतीश खलखो रक्षित लाइन से कुनकुरी,दीपक टोप्पो सन्ना से कोतबा, दिलीप कुमार भगत एसडीओपी कार्यालय कुनकुरी से कार्यालय उप पुलिस अधीक्षक, कांसाबेल, सुरेश मिंज दूल्दुला से तुमला पदस्थ किया गया है।

छह नकाबपोशों ने हाथ-पैर बांधकर लूटे रुपये-जेवरात

दुर्ग। अंजोरा चौकी क्षेत्र में एक व्यापारी के घर में डकैती की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। छह से अधिक नकाबपोश बदमाश घर में घुसे और व्यापारी दिलीप मिश्रा के हाथ-पैर को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद घर में रखे 25 हजार रुपये और 35 तोला सोना के जेवरात लेकर भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। अंजोरा चौकी पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार व शनिवार की रात की घटना बताई जा रही है। रसमड़ा (गनियारी) के दिलीप टिंबर के संचालक दिलीप मिश्रा का घर नेशनल हाइवे के किनारे है। वे अपने परिवार के साथ घर में सोए थे। देर रात छह से अधिक नकाबपोश बदमाशों ने घर के सामने दरवाजा को तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद दिलीप मिश्रा के हाथ पैर बांधकर घर की आलमारी को तोड़ा और पूरा सामान बिखरा दिया। आलमारी में रखे नकदी समेत सोना चांदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए।

जंगल में मिला अज्ञात कंकाल ग्रामीणों में दहशत

जगदलपुर। जगदलपुर के बकावंड थाना क्षेत्र के जुनावानी के जंगल में एक ग्रामीणों ने एक महिला का कंकाल देखा। जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात महिला के कंकाल को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस महिला की पहचना करने में जुटी है। मामले की जांच की जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए बकावंड थाना प्रभारी छत्रपाल कंवर ने बताया कि बकावंड क्षेत्र के टियूसगुड़ा से जुनावानी जाने वाले कच्चे मार्ग में गांव के कुछ ग्रामीण बोड़ा निकालने के लिए गए हुए थे। जंगल में बोड़ा खोजने के दौरान जंगल झाड़ियों के बीच में एक महिला का कंकाल देखा। ग्रामीण डर गए, जिसके बाद अपने आसपास के लोगों को मामले की जानकारी दी। महिला के कंकाल मिलने की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस भी मामले की जानकारी मिलते ही वहां आ गई।

तेलंगाना की बिजली से रोशन हो रहे बीजापुर के 300 घर

■ सरकार भरती है बिल, महीने में 35 हजार यूनिट की खपत

बीजापुर। बीजापुर जिला मुख्यालय से करीब 210 किलोमीटर दूर तेलंगाना सीमा से लगा हुआ छत्तीसगढ़ का एक गांव पामेड़ है। पामेड़ गांव में 23 जुलाई 2020 को पहली बार बिजली आई थी। पावर सप्लाई तेलंगाना राज्य से खरीदकर छत्तीसगढ़ के पामेड़ को दी गई। अब पामेड़ इलाके के तकरीबन 300 परिवारों को मुफ्त बिजली देने मे सफलता मिली है। यहां के गांव अब रात में बिजली की रोशनी से जगमगाने लगे हैं। तेलंगाना राज्य के चेरला तिपापुरम सब-स्टेशन से 11केवी फीडर से पामेड़ गांव में बिजली आपूर्ति की जा रही है।

पहली बार 23 जुलाई 2020 को इस गांव में बिजली की रोशनी आई। पामेड़ के पास के अन्य गांव तोंगगुड़ा और टेकलेयर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहा है। यहां तक कि बिजली भी नहीं पहुंची थी, लेकिन अब जाकर सरकार ने अंधकार मिटाने के प्रयास शुरू किया है। इसको लेकर दोनों राज्यों कि पहल व बातचीत के बाद पामेड़ गांव बिजली से रोशन हो गया है।

तेलंगाना तिपापुरम से पामेड़ की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है। पामेड़ इलाके में कुल तीन सौ कनेक्शन हैं। गांव कि आबादी के हिसाब से दो आंगनबाड़ी, दो स्कूल, दो आश्रम शालाएं, छह पुलिस कैंप, तीन मोबाइल टावर और तीन अस्पताल कि सुविधाएं संचालित हो रही हैं। धीरे-धीरे गांव को सर्व सुविधा युक्त बनाने सरकार प्रयास कर रही है। गांव कि हालत पहले से बेहतर होती जा रही है।

बिजली से रोशन हुए इस गांव में हर माह लगभग 35 हजार यूनिट बिजली की खपत हो रही है। इसके लिए सरकार को महीने में लगभग सात लाख का भार आ रहा है। ग्रामीणों को मुफ्त मे बिजली देकर राज्य सरकार हर माह तेलंगाना राज्य विद्युत मंडल को सात से आठ लाख का भुगतान कर रही है। इधर बिजली आते ही लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ गई और गांव का अंधकार दूर हो गया। पामेड़ इलाके मे विद्युत विभाग नें लाइनमेन और हेल्पर कि नियुक्ति भी की गई है। कर्मचारी हमेशा उसी गांव में रहते हैं। लाइन मे कोई फाल्ट होने पर तत्काल सुधार का कार्य किया जाता है। नक्स्ल प्रभावित पामेड़ गांव में सरकारी बिजली से रोशन हुआ है। यहां अब तक बिजली नहीं आई थी। बिजली देने के साथ ही विद्युत विभाग ने यहां कर्मचारियों की नियुक्ति की है।

बीजापुर सीएसईबी के ईई डी.आर.उर्वसा ने बताया कि हम अभी तेलंगाना से बिजली ले रहे हैं, लेकिन बहुत जल्द तर्रेम-चिन्नगेलूर होते हुए छुटवाई-कोंडापल्ली से धर्माराम पामेड़ के लिए लाइन बिछानी जानी हैं। यह सब स्वीकृति है, जिससे जिला मुख्यालय से दूरी भी कम हो जाएगी। पामेड़ में 33 केवी सब-स्टेशन का भी प्रस्ताव बना है।

मौली ने नीट परीक्षा पास कर बढ़ाया दल्लीराजहरा का मान

बालोद। जिले के लौह नगरी दल्लीराजहरा के कुम्हार पसरा में स्थित शिवनाथ टाइल्स के संचालक संदीप अग्रवाल की बेटी मौली अग्रवाल ने नीट में 720 अंकों में 683 अंक लाकर अपने परिवार और नगर को गौरवान्वित किया है। बता दें कि 5 मई को बालोद जिला मुख्यालय में पहली बार नीट की परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन प्रश्न पत्रों का पहला सेट परीक्षार्थियों को बांटा गया। प्रश्न पत्र का यह सेट सही नहीं था। परीक्षा के दौरान केंद्राध्यक्ष सहित अधिकारियों को जब अपनी गलती का एहसास हुआ कि छात्रों को गलत प्रश्न पत्र वितरित कर दिया गया है, तब 55 मिनट बाद केनरा बैंक बालोद से मिले प्रश्न पत्रों का एक और सेट मंगाकर फिर से बांटा गया।

प्रश्न पत्र के दूसरे सेट में ओएमआर शीट का एक अलग सेट जुड़ा हुआ था, जिसे उम्मीदवारों को दोबारा भरना था। इससे परीक्षार्थियों का समय खराब हुआ था और उनमें से एक मौली अग्रवाल भी थी, किंतु डॉक्टर बनने का सपना संजोए पिछले तीन सालों से मेहनत करने वाली मौली ने हार नहीं मानी और पूरी तन्मयता से अल्प समय में ही अपनी परीक्षा दी और 720 में से 683 अंक प्राप्त किए।

मौली ने बताया कि डॉक्टर बनने का सपना उसका बचपन से था। दसवीं की पढ़ाई डीएवी राजहरा स्कूल से करने के बाद परिवार से दूर रहकर कोटा में दो साल कोचिंग की और वर्तमान में बालोद में हुई परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के समय जो गड़बड़ी हुई उसके कारण ही मेरे मार्क्स उम्मीद से कम आए हैं। यदि समय खराब नहीं होता और प्रश्न पत्र बदला नहीं गया होता तो अंक सात सौ से ऊपर आते। भविष्य में एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद राजहरा में उच्च स्तर की चिकित्सा सुविधा नहीं होने के कारण यहीं एक अस्पताल खोलकर अपनी जन्मभूमि की सेवा करूंगी। इस उपलब्धि का पूरा श्रेय मौली ने अपनी माता अनुराधा अग्रवाल, पिता संदीप और छोटे भाई मानस सहित पूरे परिवार को दिया।

संक्षिप्त समाचार

बारूद फैक्ट्री में मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ और नौकरी दिया जाए : सोनवानी

रायपुर। समाजवादी के प्रवक्ता डॉ. पुरूषोत्तम सोनवानी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने कहा कि बारूद फैक्ट्री में बेमेतरा जिले की भिर्भौरी तहसील के ग्राम पिरदा में 25 मई को स्पेशल ब्लॉट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ की राशि एवं परिवार के 1 सदस्य को सरकारी नौकरी एवं घायल लोगों को 30-30 लाख रूपए दिया जाना चाहिए। बारूद के फैक्ट्री के मालिक के उपर कड़ी कार्रवाई कर जेल भेजना चाहिए। छत्तीसगढ़ में जितनी फैक्ट्री है उनकी जांच होनी चाहिए एवं फैक्ट्रियों में काम करने वाले सभी मजदूरों की बीमा अनिवार्य होनी चाहिए। मजदूरों के लिए जितने भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएं जाएं। छत्तीसगढ़ में जितने भी फैक्ट्रियों हैं नियम के विरूद्ध के खिलाफ पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बेमेतरा जिला के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, तहसीलदार एवं थाना प्रभारी इन सभी लोगों तत्काल हटाया जाए।

लेखा प्रशिक्षण परीक्षा नवम्बर-2023 से फरवरी-2024 का परीक्षाफल जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत शासकीय सेवकों के लिए लेखा प्रशिक्षण परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष 03 सत्रों (मार्च-जून, जुलाई-अक्टूबर, नवम्बर-फरवरी) में संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाता है। इस प्रशिक्षण में राज्य शासन के आधीन कार्यरत सहायक ग्रेड वर्ग-3, अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होंने तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली वे प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु संबंधित कार्यालय द्वारा नामांकित किए जाते है। लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में प्रथम प्रयास में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को एक अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ प्रदाय किया जाता है। संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा प्रशिक्षण सत्र नवम्बर-2023 से फरवरी-2024 का परीक्षा परिणाम 06 जून 2024 को घोषित किया गया है। संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन श्री महादेव कावरे ने बताया कि उक्त सत्र में कुल 246 परीक्षार्थियों में से 159 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 64.63 प्रतिशत रहा। 81 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है।

तीन बदमाशों ने मिलकर पिज्जा डिलेवरी बॉय को लुटा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर में लूट, डकैती और चोरी जैसे मामले थम नहीं रहा है। आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आ रही है। इसी क्रम में खम्हारडीह थाना क्षेत्र में पिज्जा डिलेवरी बॉय के साथ बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ बदमाशों के कब्जे से दो लाख 40 हजार रुपए का दो मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोहन चेलक मोवा से पिज्जा की डिलेवरी करने डोमिनोस कंपनी के इलेक्ट्रीक बाइक से कचना जा रहा था। लगभग रात साढ़े 10 बजे रास्ते में तीन बदमाश मिला। बदमाशों ने उसके गाड़ी को रूकवाया। इसके बाद सोहन के दो मोबाइल और बाइक को छीनकर भाग गए। इस पर उसने थाना में पहुंचकर रिपोर्ट लिखवाया था। पुलिस ने संदेह में मनीष साहू, अंकित विभार और संदीप ध्रुव को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया। इस दौरान बदमाशों ने घटना की अंजाम देना कुबूल किया। साथ ही बदमाशों के कब्जे से एक बाइक और दो मोबाइल फोन जब्त किया गया है। जब्त सामान की कामत दो लाख 40 हजार रुपए आंकी गई है।

तय समय में मकान नहीं बनाकर देना पड़ा बिल्डर को भारी, रेरा ने सुनाया फैसला

रायपुर। खाली प्लॉट पर 7 साल बाद भी मकान बनाकर नहीं देना बिल्डर को भारी पड़ा। खरीदार के शिकायत पर छत्तीसगढ़ रेरा ने बिल्डर के विरुद्ध अहम फैसला सुनाते हुए किश्तों में भुगतान किए गए 32 लाख के साथ 17 लाख ब्याज देने का आदेश दिया है। बिल्डर को छह माह के भीतर मूलधन और ब्याज की रकम लौटानी होगी। प्रकरण के अनुसार, बैकुंठपुर में रहने बाली श्यामवती पटेल ने चंद्रा टाउन भाठागांव में 32 लाख रुपए में 1395 वर्गफीट का प्लॉट खरीदा था। प्लॉट बेचते समय बिल्डर ने 990 वर्गफीट का सिंगल मकान बनाने का अनुबंध भी किया था, जिसके लिए उन्होंने नगर निगम से नक्शा भी पास करवा लिया था। लेकिन श्यामवती को बिल्डर ने तय सीमा के भीतर मकान का पजेशन नहीं दिया। उन्होंने बिल्डर अनेकों बार मिलकर पजेशन मांगा। हर बाद उन्हें टाल दिया गया। अंत में बिल्डर ने यह तर्क दिया कि उन्होंने प्लॉट बेचने के लिए एग्रीमेंट किया था, उस पर मकान बनाकर देने का करार नहीं हुआ था। आखिरकार पीड़िता ने रेरा की शरण ली। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद रेरा अध्यक्ष संजय शुक्ला ने फैसला दिया कि मकान निर्माण के लिए 32.43 लाख रुपए प्राप्त करने के बावजूद बिल्डर ने उन्हें मकान बनाकर नहीं दिया, जिससे अनुबंध की शर्त का उल्लंघन हुआ है। इसलिए प्रोजेक्ट के संचालक को श्यामवती को प्लॉट की मूल रकम 32.43 लाख रुपए के साथ ही जुलाई 2019 से जुलाई 2024 तक ब्याज 17.50 लाख रुपए कुल 50 लाख 2328 रुपए देने का आदेश दिया। नियमानुसार किसी भी तरह की प्लाटिंग के लिए सबसे पहले रेरा में पंजीयन कराना जरूरी है। अभी आचार संहिता खत्म होने के बाद लोगों को प्लॉट खरीदने के एसएमएस भेजे जा रहे हैं। जो नियमों के खिलाफ है।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के कांग्रेसी बयान पर मुख्यमंत्री साय का पलटवार

■ कहा- यही सोच-सोचकर खुश होते रहें

रायपुर। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाले कांग्रेस के बयान पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पटलवार किया है। उन्होंने कहा कि इसी मुगालते में वो लोग रहें। यही सोच-सोच कर खुश होते रहें। इसके अलावा उनके पास कोई दूसरा रास्ता तो है नहीं। हमारी एनडीए की सरकार पूरा चलेगी। 5 साल तक चलेगी, 2 बार चल चुकी है, और तीसरी बार भी 5 साल तक चलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के बच्चों से दिल्ली में मुलाकात पर कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार को बने करीब 5 महीने का वक्त हो गया है। मुख्यमंत्री के नाते पहली बार हमारा आना हुआ है। यहां पर कोचिंग करने के लिए छत्तीसगढ़ से बच्चे आते हैं, उन्हें सरकार की तरफ से निशुल्क व्यवस्था जब डॉ। रमन सिंह मुख्यमंत्री थे, तब से है। मुख्यमंत्री बनने के बाद आज पहली बार यहां पर हमारा आना हुआ है।

उन्होंने कहा कि हमारे साथ यहां हमारे

छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री, विधायक भी आए हैं। यहां पर हमारे बच्चे रहते हैं, उनके साथ हम लोगों की बातचीत हुई हम लोगों से पूछे कि किस गांव से हैं, क्या नाम है। किसकी वह तैयारी कर रहे हैं। सभी ने अपना नाम, गांव और क्या कर रहे हैं, बताया है। यहां पर 50 बच्चों की व्यवस्था थी, जिसको हमारी सरकार ने 200 कर रही है। छत्तीसगढ़ के 200 बच्चे यहां पर कोचिंग के लिए आएंगे, सरकार उनको व्यवस्था देगी। डेढ़ सौ सीट हम बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ निवास का लिया जायजा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को नई दिल्ली में बने छत्तीसगढ़ के नए अतिथि गृह छत्तीसगढ़ निवास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज भी साथ रहे।

देश की राजधानी दिल्ली के द्वारका में छत्तीसगढ़ के अतिथियों के ठहरने के लिए 60 करोड़ 42 लाख की लागत से छत्तीसगढ़ निवास का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री आज अतिथि गृह पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुविधाओं का गहन निरीक्षण कर अधिकारियों से जानकारी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छत्तीसगढ़ निवास में ठहरने वाले अतिथियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी जरूरतों का ध्यान रखा जाए।

पीएम मोदी का शपथ ग्रहण समारोह होगा यादगार

विदेशी मेहमानों के साथ प्रदेश के कई नेता होंगे शामिल

बलरामपुर रामानुजगंज। मोदी सरकार 3.0 शपथ लेने को तैयार है। नरेंद्र मोदी नौ जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस बार शपथ ग्रहण कई मायनों में खास होगा, क्योंकि इसमें न सिर्फ पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे, बल्कि समाज के हर वर्ग के महत्वपूर्ण लोगों को न्योता दिया गया है। वहीं, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर रामनुजगंज के क्षेत्रीय विधायक एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सामरी विधायक उधेश्वरी पैकरा और जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल भी इस समारोह में शामिल होंगे।

राष्ट्रपति भवन का प्रांगण तीसरी बार प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण का साक्षी होगा। इस समारोह में जहां एक तरफ दुनियाभर के शीर्ष नेता शामिल होंगे तो वहीं सफाईकर्मी, ट्रांसजेंडर, मजदूर भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे। नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में कुल 8000 मेहमान शामिल हो सकते हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह में दुनिया के कई शीर्ष नेता

शामिल हो सकते हैं। भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं को विशिष्ट अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया गया है। दुनिया भर से आए अतिथियों के स्वागत के लिए रेड कारपेट बिछाया जा रहा है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री, शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

स्कूली बसों की जांच में 86 बसें अनफिट

■ 15 जून को पुनः लगेंगे शिविर

रायपुर। आगामी दिनों में जल्द स्कूलों में कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। बच्चों का स्कूलों में बसों के माध्यम से आना-जाना शुरू हो जाएगा। ऐसे में स्कूली बसों का फिटनेस दूरूस्त रहें जिससे दुर्घटना से बचाव हो, इसके लिए परिवहन आयुक्त, अपर परिवहन आयुक्त के निर्देश पर और वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री आशीष देवांगन के मार्गदर्शन में पुराना बस स्टैण्ड पंडरी में जांच शिविर लगाई गई। यह शिविर 18 मई, 25 मई, 29 मई और 1 जून को लगाई गई। शिविर में 516 बसें जांच के लिए आई जिसमें 86 बसों में खामियां पाई गई। जिसके लिए संबंधित संस्था प्रबंधकों को जल्द कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

श्री देवांगन ने बताया कि इन स्कूली बसों में सभी वाहनों के दस्तावेजों, माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्कूल बसों के लिए दिये गये दिशा-निर्देशों के पालन तथा मैकनिकल जांच किया गया। साथ ही जिला अस्पताल रायपुर के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा वाहन जांच शिविर में चालक एवं परिचालकों का निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें रक्तचाप, मधुमेह, दृष्टि क्षमता, मोतियाबिंद आदि की भी जांच की गई। उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह वाले चालकों को लगातार मेडिसीन का उपयोग करने की सलाह दी गई।

शिविर में बसों की बारिकी से जांच की गई। यह देखा गया कि हैण्ड ब्रेक सही ढंग से

लग रही है या नहीं, क्लच एक्सीलेटर सही काम कर रहें है या नहीं। ब्रेक लाईट, हेड लाईट, पार्किंग लाईट की भी जांच की गई। इसके अलावा स्टेयरिंग, हार्न, सीट, रिफ्लेक्टर भी जांचे गये। साथ ही वाहन के आर.सी.बुक, मोटरयान कर, वाहन के परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र, वाहन के बीमा प्रमाण पत्र, वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र, चालक का अनुज्ञा पत्र, जैसे दस्तावेज जांचे गये एवं स्पीड गवर्नर का परीक्षण किया गया।

श्री देवांगन ने बताया कि जांच शिविर में उपस्थित नहीं होने वाले वाहनों के लिए 15 जून, शनिवार को जांच शिविर आयोजित की गई है। श्री देवांगन ने बताया कि इस दिन उपस्थित नहीं होने वाले बसों की जांच रोड पर की जाएगी। वाहनों में खामी पाये जाने पर स्कूल-कॉलेज बस के चालक एवं मालिक तथा स्कूल-कॉलेज प्रबंधक के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। रोड पर जांच होने से विद्यार्थियों को असुविधा हो सकती है इसको ध्यान में रखते हुए स्कूल-कॉलेज प्रबंधक 15 जून को वाहन जांच शिविर में आवश्यक रूप से उपस्थित हो।

डॉ. राजू ने किया तेलीबांधा, कटोरा तालाब का निरीक्षण

कटोरा तालाब में बच्चों की सुविधा के अनुरूप सुविधा मुहैया कराने के निर्देश

■ साफ-सफाई और परिसर के पाथवे के मरम्मत के दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसव राजू एस एवं कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने तेलीबांधा तालाब, कटोरा तालाब और दलदल सिवनी स्थित इंदिरा स्मृति वन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा उपस्थित थे। डॉ. राजू ने कहा कि तेलीबांधा तालाब में साफ-सफाई रखी जाए। पाथवे में जो टूट-फूट हुए हैं उसे मरम्मत कराई जाए। इलेक्ट्रिक के जो खुले हुए बॉक्स को बंद करें। तालाब में इंटेक और वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की समुचित व्यवस्था की जाए। यह शहर का हृदय स्थल है जहां बड़ी संख्या में सुबह-शाम वॉक के लिए नागरिक आते है। यहीं नहीं इसकी एक अलग पहचान है। इस अनुरूप में इसका सौंदर्यीकरण किया जाए और यह ध्यान रखें कि जो आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की तकलीफ ना हो।

डॉ. बसव राजू कहा कि समय-समय पर कार्यक्रम के आयोजन भी होते हैं उसे ध्यान में रखते ही ओपन थियेटर बनाने के लिए कार्य योजना बनाये। डॉ. बसव राजू ने तेलीबांधा तालाब के मेंटनेंस करने वाले

संबंधित एजेंसी को साफ-सफाई, डक हाउस इत्यादि की मरम्मत करने के कड़े निर्देश दिया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह पाथवे मुख्य रूप से वॉक करने के लिए जाना जाता है। इस मार्ग में टॉयस, बस, कार इत्यादि को अन्यत्र संचालित किया जाए ताकि निश्चित होकर वॉक किया जा सके। साथ ही सुबह के समय योगा जैसे कक्षाएं शुरू करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन सचिव एवं कलेक्टर कटोरा तालाब के निरीक्षण पर पहुंचे और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के लिए किड्सजोन और ओपन जिम बनाने के लिए कहा और नगर निगम द्वारा निर्धारित एजेंसी को तालाब-पाथवे की साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए और कहा कि यह तालाब के पानी में गंदगी ना फैलने पाए। इसके बाद वे दलदल सिवनी स्थित इंदिरा स्मृति वन का भी निरीक्षण किया। इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह करीब 67 एकड़ में फैला हुआ है। डॉ. राजू ने कहा कि इसे पूर्ण रूप से बड़े उद्यान के रूप में विकसित करें, जहां चारो तरफ हरियाली दिखाई दे जो भी व्यवसायिक संरचना का निर्माण किया जाए उसे परिसर के बाहर ही किया जाए, ताकि यहां पर लोग निश्चिंत होकर वॉक कर सके। इस अवसर पर एसडीएम श्री नन्द लाल चौबे, नगर निगम के कार्यपालन अभियंता श्री राजेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर दुर्ग की बस पलटी

■ तीन की मौत, 40 घायल

रायपुर। बस में सवार दुर्ग जिले और आसपास के 65 यात्री वापस आ रहे थे कि उनकी शनिवार की अलसुबह करीब साढ़े तीन बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक बच्ची सहित दो लोगों की मौत हो गई वहीं 40 से अधिक लोग घायल हो गए हैं जिन्हें पास के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुई बस में दुर्ग जिले और आसपास के 65 यात्री सवार थे, जिनमें से लगभग 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। यह घटना नसीरपुर थाना क्षेत्र के माइलस्टोन 51 पर हुई जो वैष्णो देवी से दर्शन कर वृंदावन आए थे और शुक्रवार की रात वापस दुर्ग लौट रहे थे। बस पलटने के बारे में सूचना मिलते ही एक्सप्रेस वे पर मौजूद कर्मचारी व नसीरपुर इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और तुरंत घायलों को निकालकर संयुक्त

चिकित्सालय व फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। नसीरपुर इंस्पेक्टर शेर सिंह ने बताया कि बस चालक को नींद की झपकी लग गई थी, जिसकी वजह से बस पलट गई।

घायल यात्री ने बताया कि बस में 65 सवारियां थीं। हम वैष्णो देवी से वृंदावन आए और वृंदावन से अब छत्तीसगढ़ घर जा रहे थे। बस में ज्यादातर सवारियां घायल हो गई हैं। शिकोहाबाद हॉस्पिटल के डॉक्टर शिवकुमार कर्दम ने कहा कि 108 एंबुलेंस से बहुत सारे घायलों को लाया गया है। दो दर्जन से अधिक घायल हैं, जिसमें कुछ की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पतालन में रेफर कर दिया गया है, बाकी घायलों का अभी इलाज किया जा रहा है।

इस हादसे की खबर मिलने के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख जताते हुए कहा ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। छत्तीसगढ़ से धार्मिक यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से भरी बस के उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर पलटने की दुखद खबर आ रही है। बस में सवार 65 श्रद्धालु में से तीन के निधन और 40 लोगों के घायल होने की खबर है, घायलों के जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद और फिरोजाबाद मेडिकल कालेज में इलाज की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन से बात कर डॉक्टरों को उचित देखभाल के निर्देश दिए गए हैं। उच्चाधिकारियों को इस बाबत आवश्यक निर्देश दिए गए है।

अमन साहू गैंग को पिस्टल उपलब्ध कराने वाला राजवीर सिंह बड़वानी से गिरफ्तार

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई-अमन साहू गैंग को पिस्टल बेचने वाले को पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के बड़वानली से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पिस्टल खरीदने पर अपने यहां बनी गोलियां देता था और वह स्वयं के ठिकाने पर पिस्टल बनाता था।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि पिस्टल कारोबार के लिए राजबीर अपनी फर्जी फेसबुक आई.डी. मोन्टु सिंह के नाम से आपरेट करता रहा। ग्राहक से सम्पर्क होने के पश्चात् वह पकड़े या ट्रेस होने से बचने व्हॉट्सएप कॉलिंग के जरिए पिस्टल की खरीदी-बिक्री करता। इसके लिए उसने 2 विदेशी अजरबेजान (+994) एवं पुर्तगाल (+351) के फोन नंबरों का इस्तेमाल करता। रायपुर में शूट करने की सुपारी लेकर आए और पिछले दिनों गिरफ्तार मयंक सिह ने कुछ दिनों पूर्व फर्जी फेसबुक आई.डी. के माध्यम से राजबीर से संपर्क किया था। मयंक सिंह ने ही शूटर रोहित स्वर्णकार को पिस्टल उपलब्ध कराने कहा था । मयंक सिंह के कहे अनुसार 35,000/- रूपये में शूटर रोहित स्वर्णकार को पिस्टल बेचा था। शूटर रोहित स्वर्णकार से

रिमांड अवधि में पूछताछ में मिली सूचना पर पुलिस टीम बड़वानी से भाटिया को पकड़ा। उससे एक मोबाईल फोन एवं नगदी रकम जब्त की गयी है। यह जानकारी देते हुए शहर एएसपी ने पत्रकारों को बताया कि अब तक प्रकरण में 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि राज बीर पिस्टल बनाकर अपनी फेसबुक आई.डी. में डिस्प्ले करता। और उसे देख इच्छुक ग्राहक उससे फेसबुक के माध्यम से सम्पर्क करते । इसी प्रकार कुछ दिनों पूर्व मयंक सिंह ने इसी के तहत मयंक सिंह के फर्जी फेसबुक आई.डी. से सम्पर्क किया था। गिरफ्तार आरोपी- राजवीर सिंह चावला उम्र 21 साल निवासी ग्राम उमेट गुरूद्वारा के पास थाना वरला जिला बड़वानी, सेंधवा (म.प्र.)।

भूपेश खुद की हार और कांग्रेस की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते : चिमनानी

■ भूपेश ने किया प्रधानमंत्री पर विवादित टिप्पणी, चिमनानी बोले मीडिया से भाग रहे है

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उस ताजा स्तरहीन बयान पर ऐतराज जताते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाजामे का नाड़ा काट दिया है। अमित ने कहा है कि श्री भूपेश विधानसभा चुनाव की करारी शिकस्त और लोकसभा चुनाव की हार के बाद अब राहुल, पाजामा और नाड़े से बाहर निकलकर राजनीतिक सच का सामना करने की हिम्मत दिखाए,मीडिया से भागे नही।

चिमनानी ने भूपेश बघेल के इस बिगड़े बोल पर कहा कि खुद भूपेश बघेल राजनांदगांव में चुनाव हार गए, उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की शर्मनाक हार हुई, राहुल गांधी, जिनके लिए भूपेश बघेल बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, के नेतृत्व में कांग्रेस ने 2014, 2019 और 2024 में 3 लोकसभा चुनाव लड़े हैं और तीनों चुनाव की सीटों को मिलाकर भी कांग्रेस ने कुल 195 सीट मात्र जीती है जबकि भाजपा ने केवल 2024 के लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीती है और इसकी तुलना में कांग्रेस की सीटें काफी कम है तो फिर बघेल की भाषा में किसने, किसका नाडा काटा है? श्री चिमनानी ने सवाल दागा कि आखिर बघेल मीडिया का सामना क्यों नहीं कर रहे और क्यों नहीं बता रहे कि वह खुद क्यों हारे और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की शर्मनाक हार क्यों हुई?

उन्होंने कहा कि जब भूपेश बघेल मुख्यमंत्री थे तब भी वह इसी प्रकार की भाषा बोलकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को अपमानित करते थे। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में बघेल ने सवाल पूछने वाली एक युवती को कहा था- ऐ लड़की, ज्यादा नेतागिरी मत कर। एक अन्य मौके पर बघेल ने एक कदम आगे बढ़कर एक युवक से यह तक कहा था- ऐ लड़के, तेरे बाप ने भी कभी माइक पकड़ा है? हद तो बघेल ने तब पार कर दी जब एक कार्यक्रम में अनुसूचित जाति समाज के युवकों को %भौंकने वाला% कहा था। इससे भी आगे जाकर बघेल तो अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को %स्लीपर सेल% तक बताने में संकोच नहीं किया। श्री चिमनानी ने कहा कि विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनाव की हार के बावजूद स्तरहीन बयान बाजी चालू है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री चिमनानी ने कहा कि एक परिवार और एक व्यक्ति की चापलूसी का कीर्तिमान रचने में लगी कांग्रेस और भूपेश बघेल लोकसभा के छत्तीसगढ़ और समग्र देश के नतीजों के परिप्रेक्ष्य में विचार करके क्या यह बताने का कष्ट करेंगे कि किसने किसके पजामे का नाड़ा काटा है? श्री चिमनानी ने यह कहते हुए कि कांग्रेस के पाजामे का नाड़ा ही नहीं, उनकी नाक भी कट चुकी है, यह दो टूक सवाल भी किया है कि बघेल कब तक %एक्स% में ही पोस्ट करेंगे? कब तक बाहर जा-जाकर ऐसे स्तरहीन बयान देंगे? मीडिया का सामना क्यों नहीं करते? क्यों नहीं जाकर बताते कि आपकी हार क्यों हुई? छत्तीसगढ़ में बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की यह जो प्रचंड हार हुई है, उसका आखिर जिम्मेदार कौन है, बघेल पहले इसका जवाब प्रदेश को दें।

श्री चिमनानी ने राजनांदगाँव में कांग्रेस से निष्कासित दाऊ सुरेंद्र वैष्णव द्वारा लगाए बैनर-पोस्टर का जिक्र करके कहा कि आज जिंदगीभर कांग्रेस के लिए काम करने वाले भूपेश के हारने पर खुश हैं और बाकायदा बैनर-पोस्टर लगाकर खुशी जाहिर कर रहे हैं। तो, ये इज्जत बची है भूपेश बघेल जी की! इस पोस्टर पर बघेल की हार के लिए जनता व कार्यकर्ताओं का आभार मानकर लिखा है- तुम्हारे पाँव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि, फिर भी तुम्हें यकीन नहीं। हार गया अहंकार, जीत गया कार्यकर्ता, जीत गई जनता।

2029 में भी मुश्किल रहेगी कांग्रेस की राह

विनोद पाठक

लोकसभा की तस्वीर अब बिल्कुल साफ हो चुकी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है, जबकि राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस ने 99 सीटें हासिल की हैं और वो दूसरे नंबर पर है। शेष अधिकांश सीटें क्षेत्रीय दलों के खाते में गई हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अगले पांच साल सत्ता में रहेगा, यह करीब-करीब साफ है। वर्ष 2029 में कांग्रेस के लिए कोई संभावना बनेगी, यह वर्तमान प्रदर्शन को देखकर थोड़ा मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि कांग्रेस की सीटें तो बढ़ी हैं, लेकिन भाजपा से सीधे मुकाबले में वो पीछे है। आज भी कई राज्यों में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों की बी-टीम बनी हुई है, जबकि भाजपा अब पैन इंडिया पार्टी बन चुकी है। भाजपा पंजाब और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अपने ए-पार्टनर को छोड़कर अकेली चल रही है। ओडिशा में बीजू जनता दल को छोड़कर वो राज्य में सरकार बना रही है। पहले कांग्रेस की बात करते हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस को 44 और वर्ष 2019 में 52 सीटें मिली थीं। इस बार उसकी सीटें बढ़ी हैं, लेकिन पंजाब (7) और केरल (13) को छोड़कर कहीं भी कांग्रेस अपने बलबूते पर किसी भी राज्य में सबसे बड़ा दल नहीं बन सकी है। हिंदी पट्टी में तो कांग्रेस वर्षों से बी-पार्टनर बनी हुई है। बिहार में कांग्रेस को तीन सीटें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उत्तर प्रदेश में छह सीटें समाजवादी पार्टी (सपा) के कारण मिली हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने सबसे अधिक 13 सीटें जरूर जीती हैं, लेकिन यहां भी शरद पवार और उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन था। जिन राज्यों में कांग्रेस अकेले दम पर लड़ी, वहां वो या तो भाजपा से पीछे रह गई या बराबर रही। भाजपा से सीधी टक्कर वाले राजस्थान में कांग्रेस को 8 (भाजपा को 14), कर्नाटक में 9 (भाजपा को 17), असम में 3 (भाजपा को 9), हरियाणा में 5 (भाजपा को 5), तेलंगाना में 8 (भाजपा को 8) सीटें मिलीं। कांग्रेस का जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में खाता नहीं खुला है। गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 1-1 सीट ही मिली, जबकि झारखंड में 2 सीटें मिलीं। कांग्रेस को देशभर में इस चुनाव में 13.7 करोड़ (21.19 प्रतिशत) वोट मिले हैं, जो भाजपा से काफी कम हैं। भाजपा को देश में 23.6 करोड़ (36.56 प्रतिशत) वोट मिले हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन की बात करें तो पार्टी की वर्ष 2019 में 303 सीटें थीं, जो उसका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस चुनाव में पार्टी ने इन 303 में से 208 सीटें पुन: जीती हैं, यानी उसने 68 प्रतिशत अपनी सीटें वापस पा ली हैं। देश में 33 सीटें ऐसी रहीं, जहां भाजपा के प्रत्याशियों को विजय उम्मीदवारों से मात्र 6 लाख वोट काम मिले, जैसे चंडीगढ़ में पार्टी मात्र 2504 वोटों से हारी। वर्ष 2019 के मुकाबले पार्टी ने 32 नई सीटें जीतीं और वो पैन इंडिया पार्टी बन गई। ओडिशा में 12, तेलंगाना में 4, महाराष्ट्र में 3, आंध्र प्रदेश में 3, पश्चिम बंगाल में 2, बिहार में 1, दादर नगर हवेली में 1, छत्तीसगढ़ में 1, अंडमान और निकोबार में 1, उत्तर प्रदेश में 1, मध्य प्रदेश में 1, कर्नाटक में 1 और केरल में एक सीट भाजपा ने नई जीती है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। यदि इन राज्यों में पार्टी अपना पिछला प्रदर्शन ही दोहरा देती तो 300 सीटों से अधिक पर होतीं। मध्य प्रदेश में भले पार्टी को सभी 29 सीटें मिली हैं, लेकिन वोट प्रतिशत कम हुआ है। गुजरात में पार्टी ने 26 में से 25 सीटें जीती हैं, लेकिन वोट प्रतिशत गिरा है। राजस्थान में पार्टी इस बार 25 में से 14 सीटें ही जीत सकी और उसके वोट प्रतिशत में गिरावट आई है। पश्चिम बंगाल में पार्टी 42 में से 12 सीटें ही जीत सकी। महाराष्ट्र में पार्टी ने पिछले चुनाव में 23 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार वो मात्र 9 सीटों पर सिमट गई। यदि ओडिशा में पार्टी ने 21 में से 20, छत्तीसगढ़ में 11 में 10, दिल्ली में सभी 7, उत्तराखंड में सभी 5, हिमाचल प्रदेश में सभी 4 सीटें नहीं जीती होतीं तो 200 सीटें हासिल करना भी कठिन हो जाता। भाजपा का इस चुनाव में कांग्रेस से 92 सीटों पर सीधा मुकाबला था, जिसमें से भाजपा 50 सीटें जीतने में कामयाब रही।

सेंट्रल हाल से संदेश पांच साल के लिए

अजय सेतिया

पुराने संसद भवन का नया नाम अब संविधान सभा है। जहां संविधान सभा की बैठक हुआ करती थीं, उसे हम पिछले 75 साल से सेंट्रल हाल के रूप में जानते हैं। यह सेंट्रल हाल 75 साल से लोकतंत्र के हर उतार चढाव का गवाह रहा है। इस सेंट्रल हाल में ही सरकारों के बनने और गिरने की पटकथा लिखी जाती रही है। जब देश में कांग्रेस का बोलबाला था, तब चुनाव के बाद कांग्रेस संसदीय दल की बैठक यहीं पर होती थी, यहीं पर नए प्रधानमंत्री के नाम पर मोहर लगती थी। अब एनडीए का बोलबाला है, तो इसी सेंट्रल हाल में एनडीए ने नरेंद्र मोदी को चुनने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया। कांग्रेस के जमाने और मौजूदा दौर में फर्क सिर्फ इतना है कि कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पत्रकारों को आने की इजाजत होती थी, जो अब बंद हो चुकी है।

सेंट्रल हाल क्योंकि लोकतंत्र का सबसे बड़ा मन्दिर था, इसलिए मीडिया इस सेंट्रल हाल की रोजमर्रा की गतिविधियों का साक्षी हुआ करता था, जो अब नहीं है। इस सेंट्रल हाल में कुछ बदला है तो सिर्फ यही बदला है कि लोकतंत्र का खुलापन सिकुड़ गया है, अठारहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों के बाद जिसके खुलने की उम्मीद की जा सकती है। 2004 में इसी सेंट्रल हाल में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर दिया था। हालांकि यह फैसला सोनिया गांधी के घर पर हुई यूपीए के घटक दलों की बैठक में ही हो चुका था, लेकिन कांग्रेस में जो परिवार भक्ति और मान-मनोव्वल की परंपरा रही है, उसका सबके सामने प्रदर्शन हुआ। उसके विपरीत सात जून 2024 को एनडीए ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में अपना नेता चुनने की प्रक्रिया पूरी की।

पिछली दो सरकारों के विपरीत इस बार भाजपा के बहुमत वाली सरकार नहीं बन रही। इसलिए चंद्रबाबू नायडू , नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे और चिराग पासवान को ज्यादा अहमियत मिली। यहाँ तक कि कुछ पार्टियों के अकेले सांसद जीतन राम मांझी, अनुप्रिय पटेल और अजीत पवार को भी उतनी ही अहमियत दी गई, ताकि कोई एक बड़ा दल खिसक जाए, तब डूबते को तिनके का ही सहारा होता है। नतीजे आने के तुरंत बाद से ही मीडिया का एक वर्ग चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को शक की निगाह से देख रहा था। भाजपा नेताओं राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की ओर से मोदी को नेता चुनने का प्रस्ताव रखे जाने के बाद सबसे पहले लोकसभा की 16 सीटें जीतने वाले टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और 12 सीटें जीत कर लाने वाले जेडीयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार से अनुमोदन करवाया गया, यह जरूरी भी था। क्योंकि ये दोनों ही पहले नरेंद्र मोदी से नाराज हो कर एनडीए छोड़ कर चले गए थे, और दोनों ही यूपीए का हिस्सा भी रह चुके हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने 2019 के लोकसभा और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एनडीए छोड़ दिया था, और एनडीए सरकार के खिलाफ दिल्ली के आंध्र भवन में एक दिन का धरना दिया था। धरने पर सोनिया गांधी, सीताराम येचुरी और डी. राजा भी शामिल हुए थे। लेकिन एनडीए का साथ छोड़कर वह आंध्र प्रदेश विधान सभा का चुनाव तो बुरी तरह हारे ही, लोकसभा में भी उनका कद घट गया था। पिछले दो साल से वह दुबारा एनडीए में आने की कोशिश कर रहे थे, चुनावों से ठीक पहले उन्हें एनडीए में एंट्री मिली थी, और एनडीए में आते ही उनकी किस्मत का दरवाजा भी खुल गया। वह भारी बहुमत के साथ फिर से मुख्यमंत्री बन गए हैं, और नरेंद्र मोदी सरकार भी उनपर निर्भर हो गई है। वह चित्र लोगों के जहन में अभी भी होगा, जब नीतीश कुमार ने चुनावों में एक रैली के दौरान मंच पर नरेंद्र मोदी के पाँव छूने की कोशिश की थी। यह उनका एनडीए छोड़कर जाने का पछतावा था, जो उन्हें झुका रहा था। वह दो बार एनडीए छोड़कर लालू यादव और कांग्रेस के साथ गए थे। दोनों ही बार उन्हें कड़वा अनुभव हुआ, तो उन्हें लौट कर एनडीए में आना पड़ा। चुनावों के दौरान ही एक बार उन्होंने मंच पर सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती को स्वीकार किया और मोदी से वायदा किया कि अब वह कभी छोड़कर नहीं जाएंगे। लगभग वैसा ही आश्वासन नीतीश कुमार ने सेंट्रल हाल में भी दिया है।

लेकिन क्योंकि इन दोनों का पलटू राम का इतिहास रहा है। दोनों के अपने एजेंडे भी हैं, इसलिए मीडिया के एक वर्ग को यह खबर चलाने में आसानी रहती है कि दोनों ने समर्थन के लिए कड़ी शर्तें लगा दी हैं, दोनों ने मोलभाव शुरू कर दिया है। चंद्रबाबू नायडू ने स्पीकर पद मांग लिया है, नीतीश कुमार ने रेलवे मंत्रालय मांग लिया है, आदि आदि। इन खबरों का आधार क्या है? इन अटकलबाजियों का आधार सिर्फ यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में चंद्रबाबू नायडू ने 1998 में समर्थन के बदले अपनी पार्टी के जीएमसी बालयोगी को स्पीकर बनवाया था और नीतीश कुमार वाजपेयी सरकार में रेलमंत्री थे। लेकिन इस बार ये दोनों ही कड़वे अनुभव के बाद एनडीए में लौटे हैं, और इन दोनों के एजेंडे पर इस बार अपने सांसदों को महत्वपूर्ण पद या मंत्रालय दिलाना नहीं, अपने अपने राज्य हैं।

दोनों ही अपने अपने राज्यों के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की मांग जरुर करेंगे और मोदी सरकार को इसका रास्ता निकालना ही होगा। संविधान का अनुच्छेद 370 और 371 कुछ राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा देता है, 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को मिलने वाला विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया था। लेकिन अनुच्छेद 371 के तहत पूर्वोत्तर और कुछ अन्य पहाडी राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा है, जिसमें उनको केंद्र से विशेष आर्थिक मदद मिलती है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू अपने अपने राज्यों के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते रहे हैं। कोई भी केंद्र सरकार नहीं चाहेगी कि दो राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा देकर बाकी राज्यों को भड़काने का काम किया जाए, लेकिन बात आर्थिक पैकेज पर आ कर टिकेगी और मोदी को अपने इन दोनों सहयोगियों के राज्यों को परियोजनाओं के नाम पर आर्थिक पैकेज देने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

सवाल चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की ओर से पांच साल की गारंटी का है। राजनीति में कब क्या हो जाए, इसकी भविष्यवाणी कोई नहीं कर सकता, लेकिन सेंट्रल हाल में इन दोनों की बॉडी लेंग्वेज पांच साल की गारंटी वाली थी। दोनों कड़वे अनुभव लेकर एनडीए में लौटे हैं, इसलिए भी भारतीय जनता पार्टी थोड़ा आश्वस्त हो सकती है। लेकिन इस बार भाजपा की बहुमत वाली सरकार नहीं है, एनडीए की सरकार है, इसलिए भाजपा को कई तरह के समझौते करने ही पड़ेंगे, कोई भी बिल बिना एनडीए में सहमति के केबिनेट में नहीं रखा जाएगा। पिछले दस साल से संसद भवन में बंद पड़ा एनडीए का दफ्तर मोदी को दुबारा खोलना पड़ेगा, जो 2019 के बाद तब से नहीं खुला, जब से लाल कृष्ण आडवानी ने संसद आना छोड़ दिया था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

सुबालोपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

यह जीव (जाग्रदवस्था में) जब प्राण के साथ संयुक्त होता है, तब बहुत सी नदियों और विविध प्रकार के नगरों को देखता है। जब व्यान के साथ संयुक्त होता है, तब देवों और ऋषियों का दर्शन करता है। जब अपान के साथ संयुक्त होता है, तब यक्ष, राक्षस और गन्धों का दर्शन करता है। जब उदान के साथ संयुक्त होता है, तब देवलोकों, देवों और जयन्त को देखता है। जब समान के साथ संयुक्त होता है, तब देवलोकों और धन का दर्शन करता है। जब वैरम्भ के साथ संयुक्त होता है, तब देखे हुए को, सुने हुए को, खाये हुए को, बिना खाये हुए को, सत् और असत् सभी को देखता है। इस हृदय की दस-दस अर्थात् सौ नाड़ियाँ होती हैं। इनमें से प्रत्येक की बहत्तर-बहत्तर हजार नाड़ी -शाखायें होती हैं। इस प्रकार हजारों नाड़ियाँ होती हैं, जिनमें यह आत्मा शयन करता है और शब्दों की क्रिया करता है। द्वितीय कोश में जब आत्मा शयन करता है, तब इह लोक और परलोक का दर्शन करता है, समस्त शब्दों को जानता है, उस स्थिति में इसे संप्रसाद कहते हैं। प्राण शरीर की रक्षा करता है। ये नाड़ियाँ हरित वर्ण, नीले, पीले, लाल और श्वेत वर्ण के रक्त से अभिपूरित हैं (अर्थात् वात, पित्तादि रसों से पूर्ण हैं)।

इस शरीर में स्थित सूक्ष्म हृदय कमल, रात्रि में खिलने वाले कुमुद के सदृश श्वेत वर्ण का है, जो अनेक प्रकार से विकास को प्राप्त हुआ है। एक बाल को हजार हिस्सों में चीर दिया जाए, इतनी पतली हिता नामक नाड़ियाँ होती हैं। हृदयाकाश परम कोश है, जिसमें यह दिव्य आत्म तत्त्व निवास करता है। जब यह निद्रा की अवस्था में होता है, तो किसी प्रकार की कामना नहीं करता और न ही कोई स्वप्न देखता है। वहाँ न कोई देवता है, न देवलोक है, न यज्ञ है, न उसकी क्रियाएँ हैं।

क्रमश: ...

महान योद्धा थे महाराणा प्रताप

रमेश सर्राफ धमोरा

महाराणा प्रताप मेवाड़ के शासक और एक ऐसे महान वीर योद्धा थे जिन्होंने कभी मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार नही की। महाराणा प्रताप जीवन पर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे और कभी हार नही मानी। उनका जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में सिसोदिया कुल में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदय सिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर था।

महाराणा प्रताप के समय में दिल्ली पर अकबर का शासन था और अकबर की निती हिन्दू राजाओ की शक्ति का उपयोग कर दूसरे हिन्दू राजा को अपने नियन्त्रण में लेने की था। 1567 में जब राजकुमार प्रताप को उत्तराधिकारी बनाया गया उस वक्त उनकी उम्र केवल 27 वर्ष थी। उस वक्त मुगल सेना ने चित्तोड़गढ़ को चारो और से घेर लिया था। तब महाराणा उदयसिंह मुगलों से लडने के बजाय चित्तोड़गढ़ छोडकर परिवार सहित गोगुन्दा चले गये। महाराणा प्रतापसिंह फिर से चित्तोड़गढ़ जाकर मुगलों से सामना करना चाहते थे। लेकिन उनके परिवार ने चित्तोड़गढ़ जाने से मना कर दिया।

महाराणा प्रताप ने मुगलों से सामना करने के लिए अपनी सेना को अरावली की पहाडियों में भेज दिया। महाराणा युद्ध उस पहाड़ी इलाके में लड़ना चाहते थे जहां मेवाड़ की सेना थी। क्योंकि मुगल सेना को पहाड़ी ईलाके में युद्ध लड़ने का बिलकुल भी अनुभव नही था। पहाडियों पर रहने वाले भील भी राणा प्रताप की सेना के साथ हो गये। महाराणा प्रताप खुद जंगलो में रहने लगे ताकि वो जान सके कि स्वंत्रतता और अधिकारों को पाने के लिए कितना दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने पत्तल पर भोजन किया, जमीन पर सोये और दाढी नही बनाई। दरिद्रता के दौर में वो कच्ची झोपडियो में रहते थे जो मिटटी और बांस की बनी होती थी।

18 जून 1576 को महाराण प्रताप के 20 हजार और मुगल सेना के 80 हजार सैनिको के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू हो गया। उस समय मुगल सेना की कमान अकबर के सेनापति मान सिंह ने संभाली थी। महाराणा प्रताप की सेना मुगलों की सेना को खदेड़ रही थी। महाराणा प्रताप की सेना में झालामान, डोडिया भील ,रामदास राठोड़ और हाकिम खा सूर जैसे शूरवीर थे। मुगलों के पास तोंपे और विशाल सेना थी। लेकिन प्रताप की सेना के पास केवल हिम्मत और साहसी जांबाजो की सेना के अलावा कुछ भी नही था। महाराणा प्रताप के बारे में कहा जाता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच का वजन 72 किलो हुआ करता था। इस तरह वह भाला, कवच, ढाल और तलवारों को मिलाकर कुल 200 किलो का वजन साथ लेकर युद्ध करते थे। इतिहासकार कर्नल टॉड ने हल्दी घाटी के युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपल्ली की संज्ञा दी है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप का स्वामी भक्त एवं प्रिय घोड़ा चेतक मारा गया। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बावजूद महाराणा प्रताप के यश और कीर्ति में कोई कमी नहीं आई।

भाजपा के लिए कुछ नयी उम्मीदें भी हैं

उमेश चतुर्वेदी

इसे विडंबना कहें या कुछ और, संसद का नया भवन बनवाने वाले प्रधानमंत्री की अगुआई में जब अठारहवीं लोकसभा बैठेगी तो उसके साथियों की संख्या घट चुकी होगी। मोदी समर्थकों और बीजेपी के प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के लिए यह नजारा कष्टदायक होगा। किंचित वे निराश भी होंगे, यह बात और है कि लोकसभा में उनका सबसे बड़ा दल होगा, इसलिए वे अपनी निराशा को झटककर आगे निकलने की कोशिश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अपने कमजोर प्रदर्शन की मीमांसा जरूर करेगा, कमजोर कड़ियों को दुरूस्त करने की कोशिश भी करेगा। दस साल पहले मोदी की अगुआई वाली सरकार का आधार भले ही बीजेपी को मिला बहुमत था, फिर भी वह गठबंधन की सरकार थी। सरकार में शिवसेना, जनता दल यूनाइटेड, शिरोमणि अकाली दल शामिल थे।

चूंकि बीजेपी का बहुमत था, इसलिए वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने से पीछे नहीं हटती थी। लेकिन अब उसके लिए ऐसा कर पाना आसान नहीं होगा। सत्ता के इस तनाव से बचने के लिए वह सोच भी रही होगी। फिर भी कुछ संभावनाएं हैं, जिनके घटित होने की उम्मीद की जा सकती है। राजनीति में किसी भी दल की भूमिका और प्रदर्शन का पूर्ण विराम नहीं होता। अगर ऐसा होता तो 1984 में दो सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में शासन का तीसरा कार्यकाल हासिल नहीं कर पाती। 2014 में महज 44 सीटों पर सिमटने वाली कांग्रेस 99 की संख्या नहीं हासिल कर पाती। इसीलिए राजनीति को संभावनाओं और आशंकाओं का खेल कहा जाता है।

चूंकि बीजेपी पिछले दो कार्यकाल की तुलना में राष्ट्रीय स्तर पर कमजोर हुई है, इसलिए उसके लिए कुछ संभावनाएं जरूर बनती हैं। इन संभावनाओं की सबसे ज्यादा गुंजाइश महाराष्ट्र में बनती है। पहली संभावना यह नजर आती है कि महाराष्ट्र की एकनाथ

शिंदे वाली शिवसेना का बीजेपी में विलय हो जाए। इसकी कोशिश शिंदे या बीजेपी, किसी भी ओर से हो सकती है। ऐसा होने से शिंदे की ताकत भी बढ़ सकती है और बीजेपी की भी। महाराष्ट्र में इसी साल के आखिर में विधानसभा का भी चुनाव होना है। अगर बीजेपी को सत्ता की केंद्रीय धुरी बने रहना है तो उसे अपनी ताकत बढ़ानी होगी। इसके लिए सबसे सहज और संभाव्य विकल्प यही लगता है कि शिंदे की पार्टी का बीजेपी में विलय हो जाए। चूंकि उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के लिए केंद्रीय सत्ता पांच साल दूर है, इसलिए उनके लिए इतने दिन सत्ता से दूर रहना आसान नहीं होगा। भारतीय जनता पार्टी की स्वाभाविक सहयोगी शिवसेना रही है। अगर शिंदे की शिवसेना का बीजेपी में विलय हो जाता है तो उद्धव के लिए भी बीजेपी के साथ खड़ा हो जाना आसान होगा। महाराष्ट्र में एक और संभावना राजनीति की पारखी नजरें देख सकती हैं। मराठा क्षत्रप शरद पवार अपनी आखिरी राजनीतिक पारी खेल रहे हैं। अजित पवार अलग होकर कोई खास करामात नहीं दिखा सके हैं। वैसे कई राजनीतिक जानकार मानते हैं कि उनको साथ लाने का ही नुकसान बीजेपी को उठाना पड़ा है। जो बीजेपी अजीत पवार को साढ़े तीन सौ करोड़ के सिंचाई घोटाले का कर्णधार बताती रही, वही उन्हें साथ लेकर आई। इससे बीजेपी का प्रतिबद्ध कार्यकर्ता पसोपेश में पड़ गया तो आम मतदाता भी चिढ़ गया। शरद पवार उन्हें सबक सिखाने की भी सोचेंगे। फिर शरद पवार की ख्याति सत्ता से दूर न रहने वाले नेता की है। दस साल से वे सत्ता से दूर हैं। जीवन के आखिरी दौर में और पांच साल सत्ता से दूर रहना आसान नहीं होगा। इसलिए शरद पवार किसी बहाने से बीजेपी की अगुआई वाली एनडीए की सत्ता को समर्थन देने के लिए आगे आ सकते हैं।

बीजेपी इन संभावनाओं पर काम करती है तो पार्टी को सीधे शिंदे की शिवसेना की सात सीटों का साथ मिल जाएगा। फिर शिवसेना उद्धव ठाकरे और एनसीपी मिलाकर सोलह सीटों का बाहरी समर्थन मिल जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो तय है कि बीजेपी की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू पर निर्भरता कम होगी। साल 1998 और 1999 की अटल सरकार को चंद्रबाबू नायडू का बाहर से समर्थन था। इस समर्थन की कीमत नायडू अपने ढंग से अटल सरकार से वसूलते रहे। तब मुफ्त राशन की बजाय कोटे के राशन का जमाना था। नायडू हमेशा आंध्र के लिए ज्यादा वसूल लेते थे। वाजपेयी सरकार से तमाम योजनाएं आंध्र प्रदेश के नाम कर लेते थे। हैदराबाद और सिकंदराबाद को साइबराबाद बनाने की दिशा में उन्होंने कई योजनाएं चलाई थीं। जिनके लिए अटल सरकार पर समर्थन के एवज में दबाव बनाकर नायडू धन हासिल कर लेते थे। इसलिए यह मानने का कोई आधार नहीं है कि लंबे समय बाद आंध्र की सत्ता में लौटे नायडू बदल गए होंगे। हालांकि बीजेपी ने उन्हें एनडीए का संयोजक बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके बावजूद राजनीति में कुछ भी निश्चित तौर से नहीं कहा जा सकता। इसलिए महाराष्ट्र की संभावनाएं बीजेपी के लिए जरूरी बनती हैं।

केंद्रीय स्तर पर किंचित निराश करने वाले नतीजे के साथ ही बीजेपी के लिए उड़ीसा से उम्मीदजनक समाचार भी है। पार्टी ने राज्य की 21 लोकसभा सीटों में से 20 पर जीत हासिल की है। जबकि 1999 से सत्ता में रहे राज्य के बीजू जनता दल को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली है। बीजू जनता दल में नवीन पटनायक के बाद कोई दूसरी पंक्ति का नेतृत्व नहीं उभर पाया है। ऐसे में बीजू जनता दल के सामने अस्तित्व का संकट है। भाजपा इस अवसर का लाभ उठा सकती है। आमतौर पर जिसकी सत्ता होती है, निर्दलीय उसी के साथ जाते हैं। इस बार सात निर्दलीय भी जीतने में कामयाब रहे हैं। उनमें से ज्यादातर का साथ बीजेपी को ही मिलने की संभावना है। क्योंकि सत्ता की मलाई मिले ना मिले, मलाई का साथ राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए टॉनिक का काम करता है। इस टॉनिक की चाहत में वे साथ आ सकते हैं।

2004 के आम चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल होने वालों की होड़ लग गई थी, किसी दिन अनवारूल हक शामिल हो रहे थे तो किसी दिन नागमणि, तो किसी दिन पीसी थॉमस तो किसी दिन कोई और। लगता था, जैसे वाजपेयी की अगुआई में लहर चल रही हो और उस लहर पर सभी सवार होना चाहते हैं। कुछ इसी अंदाज में इस बार भी ऐन चुनावों के पहले बीजेपी में विपक्षी दलों के लोग शामिल हो रहे थे। लेकिन 2004 में लहर नहीं चल पाई, उससे कुछ बेहतर स्थिति इस बार है, लेकिन वैसी लहर फिर नहीं चली। इससे साबित होता है कि ऐन चुनावों के पहले दलों में आवाजाही को मतदाता पसंद नहीं कर रहा है। ऐसे में बेहतर होगा कि आवाजाही का खेल चुनावों के ऐन पहले नहीं, बल्कि काफी पहले हो तो शायद मतदाता इसे भूल जाए। वैसे भी दलबदल विरोधी कानून के चलते भी हर नेता अपनी सदस्यता का कार्यकाल पूरी कर लेना चाहता है, उसे गंवाना नहीं चाहता। बीजेपी को दो बार इसका नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए हो सकता है कि अब सीख लेकर ऐसे कदम उठाने के लिए वह ऐन चुनाव के पहले का वक्त ना चुने।

आज का इतिहास

1910 जापान और रूस ने पूर्व क्षेत्र के विभाजन पर एक समझौते किया।
1923 बुल्गारियाई सशस्त्र बलों ने अलेक्जेंडर स्टैंबोलीस्की की अध्यक्षता वाली बल्गेरियाई एग्रेरियन नेशनल यूनियन की सरकार को उखाड़ फेंका और इसकी जगह अलेक्जेंडार त्सानकोव को दिया।
1923 ब्रिंक्स ने पहली बख्तरबंद सुरक्षा वैन का खुलासा किया।
1928 ऑस्ट्रेलियाई एविएटर चार्ल्स किंग्सफोर्ड स्मिथ और उनके चालक दल ब्रिस्बेन में दक्षिणी क्रॉस विमान से उतरे, संयुक्त राज्य अमेरिका की मुख्य भूमि से ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली ईवर्टर-प्रशांत उड़ान पूरी की।
1930 शिकागो बोर्ड ऑफ़ ट्रेड बिल्डिंग को खोला गया।
1931 डोनाल्ड डक कार्टून को पहली बार प्रदर्शित किया गया।
1940 नार्वे ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
1941 यूरोपीय देश सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड के फोर्ट स्मेदेरोवो क्षेत्र स्थित एक हथियार कारखाने में विस्फोट से 1500 लोगों की मौत हुई।
1942 ब्रिटिश विमान ने टारंटो में इतालवी नौसेना बेस पर हमला किया।
1946 राजा आनंद माहिदोल की हत्या के बाद, दुनिया के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले वर्तमान सम्राट, भूमिबोल अदुल्यादेज, थाईलैंड के सिंहासन पर चढ़े।
1948 अभिलेखागार पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद की स्थापना यूनेस्को के तत्वावधान में की गई थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय एन.जी.ओ. जो अभिलेखागार और अभिलेखागार के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।
1954 संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना और सीनेटर जोसेफ मैक्कार्थी के बीच परस्पर विरोधी संघर्षों की जांच करने वाली सेना-मैकार्थी की सुनवाई के दौरान, सेना के वकील जोसेफ एन वेल्च ने मैककार्थी से पूछा, लंबे समय से, क्या आपमें शालीनता की भावना नहीं है?
1955 इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने नॉटिंघम में दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया।
1959 यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन बैलिस्टिक मिसाइलों को चलाने के लिए पहली पनडुब्बी प्रेषित की गयी।
1965 वियतनाम कांग ने वियतनाम गणराज्य की सेना के साथ डोंग Xoai की लड़ाई में युद्ध की शुरुआत की, जो वियतनाम युद्ध की सबसे बड़ी लड़ाइयों में से एक थी।

लोकसभा चुनाव में मोदी के बाद योगी ने खूब बहाया पसीना

उमेश चतुर्वेदी

आम चुनाव के नतीजों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। अगर नतीजे एक्जिट पोल जैसे ही रहते हैं तो मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है। यूं तो हर जीत का सेहरा सेनापति के ही सेहरे पर बंधता है। नरेंद्र मोदी बीजेपी के हरावल दस्ते के अगुआ हैं, इसलिए निस्संदेह मौजूदा जीत उनकी ही होगी। लेकिन इस जीत के बीजेपी की ओर से कई और नायक भी हैं। मोदी और अमित शाह की जोड़ी को भारतीय राजनीति की सबसे सफल जोड़ी की प्रतिष्ठा हासिल हो चुकी है। जाहिर है कि इस जीत के नायक अमित शाह भी हैं। लेकिन बीजेपी के तीसरी बार सत्तारोहण में एक और शख्स की मेहनत भी शामिल है। ये शख्स हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव को लेकर बीजेपी ने जबरदस्त मेहनत की। उसने बेहतर रणनीति बनाई। चुनावी मैदान पर वोटरों को लुभाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। 73 साल की उम्र में उन्होंने कितना पसीना बहाया, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अकेले 206 चुनावी रैलियां की या रोड शो किए। पूर्वोत्तर भारत के कुछ-एक इलाकों को छोड़ दें तो तकरीबन समूचे देश में उन्होंने रैली और रोड शो नहीं किया है। भारत में अगर 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोटिंग किया है, उन्हें मतदान केंद्रों तक बुलाने में राजनीतिक दलों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका प्रधानमंत्री मोदी की रही है। दिलचस्प यह है कि बीजेपी की ओर से लोगों को लुभाने के लिए जिन नेताओं ने मेहनत की है, उनमें दूसरे नंबर पर अगर कोई है तो वे हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उन्होंने देशभर में करीब 197 रोड शो और रैलियां की हैं। बीजेपी के चुनाव प्रचार में योगी आदित्यनाथ की मांग उत्तर प्रदेश में रहनी थी। वैसे उत्तर प्रदेश में पार्टी को जिताना उनकी जिम्मेदारी भी थी। लेकिन उत्तर प्रदेश के बाहर भी उनकी खूब मांग रही। योगी जी ने उत्तर प्रदेश से बाहर बारह राज्यों उत्तराखंड, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, जम्मू, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, ओडिशा, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली जैसे बारह राज्यों में उन्होंने प्रचार किया। योगी को लेकर देश का कथित प्रबुद्ध वर्ग विरोधी भाव रखता है। लेकिन चुनाव अभियान में प्रबुद्ध लोगों को लुभाने के लिए उन्होंने प्रबुद्ध लोगों की पंद्रह सभाओं को भी संबोधित किया।

मौजूदा चुनाव अभियान जैसे शुरू हुआ था, एक अफवाह फैलाई गई कि उत्तर प्रदेश में अगर बीजेपी जीती तो योगी आदित्यनाथ को हटा दिया जाएगा। चुनाव अभियान के दौरान बीजेपी के प्रति क्षत्रिय समुदाय के गुस्से की भी अफवाहें फैलीं। बीजेपी ने शुरू में तो इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन बाद में जब पार्टी को लगा कि इस अफवाह का नुकसान हो सकता है तो पार्टी को सामने आना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी को कई सभाओं में योगी की तारीफ करनी पड़ी। अलीगढ़ की सभा में 23 अप्रैल को मोदी ने जो कहा, उससे पार्टी में योगी की महत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तब मोदी ने कहा, जो लोग योगी जी की पहचान सिर्फ बुलडोजर से करते रहते हैं मैं उनकी जरा आंखें खोलना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास नहीं हुआ वो अकेले योगी जी के काल खंड में हुआ है. मोदी यहीं नहीं रूके।

उन्होंने योगी सरकार द्वारा शुरू की गई %वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट% मिशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसकी वजह से पूरे देश में उत्तर प्रदेश की नई इज्जत बनी है। योगी को उत्तर प्रदेश के विरोधी दल बुलडोजर बाबा कहते रहे हैं। इससे योगी की नकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की जाती रही है। उत्तर प्रदेश की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने इसका उल्लेख करते हुए जो कहा, उस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। तब मोदी ने कहा था कि लोगों ने सिर्फ बुलडोज़र-बुलडोजर की बातें सुनी हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश को अगर विकास की नई ऊंचाइयों पर कोई ले गया है तो योगी जी की सरकार लेकर गई है। योगी के खिलाफ चल रहे अफवाहों के जवाब में प्रधानमंत्री के इस बयान को भी देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने योगी की प्रशंसा करते हुए कह दिया कि काशी का सांसद होने के नाते, वे खुद उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि हैं। इस लिहाज से योगी उनके भी मुख्यमंत्री हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान से योगी को लेकर जैसे अफवाहों पर विराम ही लग गया। प्रधानमंत्री ने योगी की प्रशंसा में कशीदा पढ़ते हुए यहां तक कह दिया कि वे योगी जैसा साथी पाकर गर्व अनुभव करते हैं।

नरेंद्र मोदी 73 साल के हो गए हैं। मोदी की जो कार्यशैली है, उसके हिसाब से समझा जा सकता है कि मौजूदा कार्यकाल के बाद वे अपने उत्तराधिकारी को लेकर भी सोच रहे होंगे। वैसे भारतीय जनता पार्टी में नेतृत्व का चुनाव किसी एक व्यक्ति के हाथ नहीं होता। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नेता का चुनाव करता है। नरेंद्र मोदी को 2012 के गुजरात विधान सभा चुनाव में मिली जीत के बाद से ही बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने अपना भावी नेता मान लिया था। पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार जुलाई 2013 में बनाया। एक तरह से वह कार्यकर्ताओं की ही सोच की अभिव्यक्ति थी। कुछ ऐसी ही पहुंच और पहचान इन दिनों योगी की भी बन रही है। वैसे बीजेपी के पास दूसरीं पांत के नेताओं की कमी नहीं है। लेकिन योगी अपने तरीके से उभर रहे हैं। बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपराधियों, बलात्कारियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए योगी का अचूक औजार बुलडोजर को अपना लिया है। इससे साबित होता है कि पार्टी के अंदरूनी हलके में उनकी स्वीकृति बढ़ी है।योगी की सख्त प्रशासक की छवि लोगों को लुभाती है।

रायबरेली में छठवें दौर में मतदान हुआ। वहां एक बुजुर्ग महिला मतदाता से जब पूछा गया कि उन्होंने किस मुद्दे पर वोट डाला है तो उस महिला ने मुद्दे पर सीधे आने की बजाय कह दिया कि अब उसे देर रात तक सिकड़ी-बाली (गले की सोने की चेन और कानों की बाली) पहनने में डर नहीं लगता। अब उसका बेटा देर से भी जिला से घर आता है तो उसे चिंता नहीं होती। यानी साफ है कि योगी जी के राज में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा की गारंटी बढ़ी है। यह गारंटी महिलाओं को आश्वस्त करती है। इसी आश्वस्ति की जानकारी प्रकारांतर से महिला मतदाता ने दिया।

योगी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके आगे-पीछे कोई परिवार नहीं है। इसलिए उनकी ईमानदारी पर बाकी राजनेताओं की तुलना में ज्यादा भरोसा किया जाता है। शायद यही वजह है कि योगी आदित्यनाथ बीजेपी में दूसरी पांत की नेताओं में सबसे ज्यादा स्वीकार्य बने हैं। यही वजह है कि उन्हें हटाने को लेकर फैली अफवाह पर बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तक को कहना पड़ता है कि योगी बीजेपी के सबसे योग्य मुख्यमंत्री हैं और उन्हें हटाने के लिए सोचा भी नहीं जा सकता। शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी हासिल करने के लिए उस योग्य भी होना पड़ता है। लेकिन इसके अलावा राजनीति में कई और कारक भी होते हैं। उन वजहों की कसौटी पर योगी कितने खरे उतर पाएंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा। फिर भी योगी ने राजनीति में ऐसी हैसियत जरूर बना ली है, जिसकी वजह से देश का एक वर्ग उनसे उम्मीद जताए बैठा है। यह उम्मीद पूरी होगी या नहीं, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

भाजपा के लिए उप्र के झटके से उबरना फिलहाल कठिन

अरविंद कुमार

आजादी के बाद से ही यह कहावत रही है कि देश की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से जाता है। पिछले तमाम चुनावों में भाजपा को असली शक्ति देने वाले उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने इस बार जिस तरह एग्जिट पोल के आकलन को धता बताते हुए विपरीत परिणाम दिया है, उसने राजनीति की दिशा बदल दी। पिछले चुनावों में सपा-बसपा जैसा मजबूत गठबंधन भी महज 15 सीटों पर जीत सका था, जिसके 54 सीटें जीतने की संभावना थी। पिछले दो आम चुनावों में भाजपा के लिए एकतरफा माहौल रहा। 2014 में 71 सीटें भाजपा ने जीती थीं, जबकि 2019 में सपा-बसपा गठबंधन की चुनौती के बाद भी 62 सीटों पर जीत हासिल कर ली थी। लेकिन इस बार

चुनाव में भाजपा के रणनीतिकारों के सारे आकलन फेल रहे। उनका आकलन था कि इंडिया गठबंधन बेअसर रहेगा और 80 में से 70 सीटों पर भाजपा विजय हासिल कर लेगी। बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ समेत विभिन्न राज्यों के सारे प्रमुख नेताओं ने पूरा श्रम किया था। लेकिन उत्तर प्रदेश ने एग्जिट पोल समेत सारे आकलनों को करारा झटका दिया। सबसे अधिक हैरानी बसपा के नतीजों को लेकर हुई है जो 1989 के बाद से उत्तर प्रदेश में लगातार लोकसभा चुनावों में अपनी मौजूदगी बनाए हुए थी। पर यह साफ नजर आया कि इस बार न केवल दलित समाज बल्कि बसपा के साथ खड़े रहे अल्पसंख्यकों ने भी उसे झटका देकर सपा-कांग्रेस गठबंधन का दामन थाम लिया। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बसपा के अप्रासंगिक होने का खतरा बन गया है। बसपा ने इस चुनाव में में 13 टिकट बदले। उस पर आम आरोप रहा कि उसने ऐसे टिकट दिए जो सपा-कांग्रेस उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाएं। मायावती के प्रतिद्वंद्वी दलित नेता चंद्रशेखर आजाद ने संसद में अपनी एंट्री करके माहौल बदलने का काम भी किया है। उत्तर प्रदेश के नतीजों की आंच कायम रहेगी और लंबे समय तक सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आकलन होता रहेगा। हो सकता है कि योगी आदित्यनाथ की इसी मुद्दे पर आगे विदाई भी हो जाए। 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश ने जो करारा झटका दिया है, उसके चलते भाजपा के कई समीकरण बिगड़ गए हैं। इससे उबर पाना सहज नहीं है। इस चुनाव में अन्य कारणों के साथ ग्रामीण इलाकों की चुनौती भी उल्लेखनीय है। भाजपा को 2014 में गांवों से ताकत मिली थी और 178 सीटें उसे ग्रामीण क्षेत्रों से मिली थीं। 2019 में इसमें 20 सीटों का इजाफा हुआ। इसी कारण 2014 में भाजपा ने 282 सीटें जीतीं, जो 2019 में 303 हो गई थीं। पर 2024 में ग्रामीण इलाकों में दलित, अति पिछड़े और वंचित मतदाताओं ने संविधान और दूसरे सवालों पर भी वोट किया। गांव और किसान के मुद्दे बहुत प्रमुखता से इस चुनाव में उभरे जिससे भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के चुनाव के ठीक पहले किसान सम्मान निधि आरंभ करके किसानों में पैठ का प्रयास किया था, जिसका भाजपा को राजनीतिक लाभ मिला। पर अब एक नई चुनौती सामने खड़ी है।

बरकरार है ममता बनर्जी की लोकप्रियता

जयंत घोषाल

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटें गंवाने के बावजूद पश्चिम बंगाल में भाजपा एक सफल कहानी रही है, क्योंकि उसे पहले कामयाबी मिल चुकी है। हाल तक राज्य में पार्टी की कोई उपस्थिति नहीं थी। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल से ही थे। मुझे याद है, जब वाजपेयी-आडवाणी दौर में भाजपा को कोलकाता नगर निगम में दो सीटें हासिल हुई थीं, तब पार्टी ने खूब जश्न मनाया था।

उस समय लालकृष्ण आडवाणी, वे तब केंद्रीय गृह मंत्री थे, ने बयान दिया था कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपना खाता खोला है। उस समय से अब तक भाजपा बहुत आगे जा चुकी है। विधानसभा में उसके 77 विधायक हैं। राज्य से राज्यसभा में भी भाजपा की एक सीट है। भाजपा की इस तेज बढ़त से विपक्ष की राजनीतिक जगह को लेफ्ट और कांग्रेस हासिल नहीं कर सके। लेफ्ट तो शून्य के स्तर पर पहुंच चुका है। पिछले विधानसभा चुनाव में लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस का एक भी उम्मीदवार नहीं जीत सका था, जबकि एक नयी बनी मुस्लिम पार्टी आइएसएफ का एक उम्मीदवार विधायक बनने में सफल रहा था। इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बहुत कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अनेक सभाएं एवं रैलियां हुईं। भाजपा का अपना तरीका है नयी पीढ़ी के नेताओं को प्रोत्साहित करने का। प्रधानमंत्री मोदी ने संदेशखाली में पार्टी की उम्मीदवार रेखा पात्रा से फोन पर बात की थी। उन्होंने कृष्णानगर से उम्मीदवार रानी मां को भी फोन किया था। यह बड़प्पन ही है कि मंच पर रेखा पात्रा भाषण दे रही हैं और प्रधानमंत्री मोदी उनको सुन रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी एक बेहद समझदार राजनेता हैं। जहां तक इस चुनाव में भाजपा के सफल नहीं होने और

ममता बनर्जी की बड़ी जीत के कारणों का सवाल है, तो मेरी दृष्टि में सबसे प्रमुख वजह यह है कि भाजपा बंगाल की पार्टी नहीं बन सकी है।

बंगाल में हिंदी भाषी भी हैं, पर अधिकांश लोग तो बंगाली ही हैं। भाजपा अखिल भारतीय पार्टी बने, पर उसे बंगाल की पार्टी भी होना होगा। जब राज्य भाजपा के अध्यक्ष पद से विष्णुकांत शास्त्री को हटाकर तपन सिकदर को कमान दी गयी थी, तब आडवाणी जी ने मुझसे कहा था कि शास्त्री सरनेम लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीति नहीं की जा सकती है, इसीलिए सिकदर को लाया गया है, जो बंगाली हैं। शास्त्री जी अच्छे नेता थे। वे विद्वान व्यक्ति भी थे और कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्राध्यापक थे। वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं के अनुवादक भी थे। वे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के भी शिक्षक रहे थे। इसके अलावा वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी संबद्ध रहे थे। भाजपा ने मुख्य रूप से ममता-विरोधी अभियान चलाया। शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें चोर तक कहा। इससे ममता बनर्जी को सहानुभूति मिली। यदि भाजपा तृणमूल सरकार के विरुद्ध अभियान चलाती, तो ऐसा नहीं होता। शुभेंदु अधिकारी सीबीआइ, इडी आदि एजेंसियों के प्रवक्ता के रूप में व्यवहार करने लगे थे।

अभी भाजपा के अध्यक्ष सुकांतो मजूमदार बंगाली ही हैं। शुभेंदु अधिकारी को भी पार्टी में लाया गया। इस तरह मोदी-शाह की रणनीति तो ठीक है, पर बंगाली मानस को ठीक से समझने की आवश्यकता है। जब राम मंदिर का मुद्दा अयोध्या में सफल नहीं हुआ, तो बंगाल में कैसे हो सकता है? इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल के लोग राम विरोधी हैं। बंगाल की मुख्य देवी मां काली हैं और यहां के लिए दक्षिणेश्वर एवं कालीघाट अधिक महत्वपूर्ण है। बंगाल की संस्कृति में एक नास्तिक भी हिंदू हो सकता है। इसलिए उत्तर भारत में हिंदुत्व का जो मॉडल कारगर होता है, उसे पश्चिम बंगाल में थोप देना अच्छी बात नहीं है।

दूसरी बड़ी वजह है ममता बनर्जी की लोकलुभावन राजनीति। उदाहरण के लिए, हर गरीब महिला को हर महीने एक हजार रुपये देने की योजना बहुत प्रभावी साबित हुई है। इस राशि में चुनाव से पहले बढ़ोतरी भी हुई थी। ममता बनर्जी ने अपने प्रचार अभियान में यह भी कहा था कि अगर भाजपा जीतती है, तो वह इस योजना को बंद कर देगी। भाजपा के भी एक धड़े ने इस योजना को गलत बताया था। ऐसे अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। जैसे, एक स्वास्थ्य बीमा योजना है, जिसमें कोई भी महिला अपना मुफ्त इलाज करा सकती है। ऐसी योजनाओं का लाभ ममता बनर्जी को मिला। उन्हें मुस्लिम मतों के एकजुट होने का भी फायदा मिला। तीसरी वजह है कि भाजपा ने मुख्य रूप से ममता-विरोधी अभियान चलाया। शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें चोर तक कहा। इससे ममता बनर्जी को सहानुभूति मिली। यदि भाजपा तृणमूल सरकार के विरुद्ध अभियान चलाती, तो ऐसा नहीं होता। चौथी बात है कि शुभेंदु अधिकारी सीबीआइ, इडी आदि एजेंसियों के प्रवक्ता के रूप में व्यवहार करने लगे थे। वे कहते थे कि अब इनके खिलाफ कार्रवाई होगी, अब उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचार रोकने और दोषियों को पकड़ने की बात ठीक है, लेकिन इसकी आड़ में विरोधियों को डराने-धमकाने की कोशिश हुई। इससे ऐसा संदेश गया कि भाजपा एजेंसियों के सहारे राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। इस बात को ममता बनर्जी भी अपने भाषणों में कहती रहीं।

महाराष्ट्र में शरद पवार फिर चाणक्य साबित हुए

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में हुए विभाजन ने भारतीय जनता पार्टी की स्थिति मजबूत कर दी थी। शिवसेना और एनसीपी के गुटों के भाजपा के साथ आने से जहां वर्तमान महायुति सरकार की स्थिति मजबूत हो गयी थी वहीं राजनीतिक रूप से उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए सबसे बड़ा झटका यह था कि उनकी अपनी पार्टी का असल नाम और चुनाव चिह्न उनके हाथ से चला गया था। इसके अलावा जिस तरह अशोक चव्हाण, बाबा सिद्दीकी, गोविंदा, मिलिंद देवड़ा और संजय निरूपम ने चुनावों से पहले कांग्रेस का साथ छोड़ा उससे पार्टी का भविष्य खतरे में नजर आ रहा था। साथ ही जिस तरह कांग्रेस-शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद चंद्र पवार के गठबंधन महाविकास अघाड़ी यानि एमवीए में सीटों के बंटवारे के दौरान तनातनी देखी जा रही थी उससे भी इसके चुनावी प्रदर्शन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि एमवीए ने चमत्कार कर दिया है। परिणाम यह भी दर्शा रहे हैं कि जनता ने इस बात का फैसला कर दिया है कि असली शिवसेना और असली एनसीपी कौन-सी है।

सवाल उठता है कि यह सब आखिर हुआ कैसे? जवाब यह है कि इस प्रदर्शन का असली श्रेय वरिष्ठ नेता शरद पवार को जाता है। उन्होंने सबसे पहले वामदलों समेत राज्य की सभी छोटी पार्टियों और संगठनों को एकजुट कर अपनी ताकत बढ़ाई और वोटों का बंटवारा रोका। इसके अलावा शरद पवार ने बिना थके प्रचार किया और इस बात को मतदाताओं के मन में बिठाने में सफल रहे कि यदि भाजपा फिर से आ गयी तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देगी। जब सीटों के बंटवारे पर एमवीए के घटक दल आपस में भिड़े हुए थे तब भी शरद पवार ने ही बीच बचाव करके सबके बीच सहमति बनवायी। प्रचार के मध्य में ही लगने लगा था कि शरद पवार ने भाजपा को आक्रामक की बजाय रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में सूखे की समस्या ने सत्तारुढ़ गठबंधन की चुनौती बढ़ा दी। किसानों की नाराजगी महायुति की हार का एक प्रमुख कारण है। एमवीए ने इस बात को मुद्दा बनाया कि कृषि लागत बढ़ रही है लेकिन किसानों को राहत नहीं मिल रही है। किसानों पर

बढ़ता कर्ज और इंडिया गठबंधन की ओर से किया गया कर्ज माफी का वादा महाराष्ट्र में भी काम कर गया। महाराष्ट्र देश में सर्वाधिक प्याज का उत्पादन करता है और प्याज से होने वाली आय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। लेकिन हाल ही में जिस तरह भारत सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था उससे किसानों को काफी नुकसान हुआ। चुनावों के दौरान शुरुआत में देखा गया था कि प्याज उत्पादक अधिकतर गांवों में सत्तारुढ़ गठबंधन के उम्मीदवारों को घुसने नहीं दिया जा रहा था। यहां तक कि मोदी सरकार की कृषि और किसान कल्याण संबंधी योजनाओं को भी लोग नाकाफी मान रहे थे। इसके अलावा कृषि उपकरणों तथा अन्य वस्तुओं पर जीएसटी की दर ज्यादा होने का नुकसान भी सत्तारुढ़ गठबंधन को उठाना पड़ा है।

महाराष्ट्र में हाल ही में प्रदेशव्यापी मराठा आरक्षण आंदोलन देखने को मिला था। कई जगह इसके चलते हिंसा भी हुई थी। मराठाओं की मांग थी कि उन्हें ओबीसी में शामिल कर आरक्षण दिया जाये। महाराष्ट्र की सभी पार्टियों ने इसका खुलकर समर्थन किया था। भाजपा पर आरोप लगे थे कि वह इस मामले में टालमटोल का रवैया अपना रही है। इससे मराठाओं के बीच पार्टी को लेकर नाराजगी उभरने की खबरें आईं।

भाजपा ने इस साल की शुरुआत में राम मंदिर का निर्माण और सीएए के नियम बनाने जैसे बड़े वादे पूरे कर दिये। राम मंदिर बनने की खुशी में देश के अन्य भागों की तरह महाराष्ट्र में भी चारों ओर उत्सव हुए लेकिन यह लहर जल्द ही खत्म भी हो गयी। कहा जा सकता है कि जनवरी में जिस तरह का माहौल था वह अप्रैल-मई आते-आते पूरी तरह खत्म हो गया और स्थानीय तथा अन्य मुद्दे चुनावों पर हावी हो गये। साथ ही लोगों ने सीएए और यूसीसी को आधार नहीं मानते हुए भी मतदान किया जोकि भाजपा के खिलाफ चला गया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना में जिस तरह विभाजन हुआ उससे महाराष्ट्र की सियासत पर बड़ा असर पड़ा। बाला साहेब ठाकरे द्वारा बनाई गयी शिवसेना को एकनाथ शिंदे ले गये और शरद पवार द्वारा गठित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को अजित पवार ले गये। मामला चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय तक गया लेकिन ज्यादातर जनप्रतिनिधि और पार्टी के पदाधिकारी चूंकि शिंदे और अजित पवार के साथ थे इसलिए शिवसेना शिंदे की हो गयी और एनसीपी अजित पवार की हो गयी। इससे आहत उद्धव ठाकरे और शरद पवार जनता की अदालत में गये और अपने साथ धोखा करने वालों को सबक सिखाने का आग्रह किया। जनता ने दोनों नेताओं की बात सुन कर फैसला सुना दिया। शरद पवार के पास नया चुनाव चिह्न होने के बावजूद वह आठ सीटें जीतने में सफल रहे तो वहीं दूसरी ओर चिर-परिचित घड़ी चुनाव चिह्न साथ होने के बावजूद अजित पवार मात्र एक सीट जीत पाये। यही हाल एकनाथ शिंदे की शिवसेना का भी रहा। जहां उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 9 सीटें मिलीं वहीं शिंदे की शिवसेना मात्र 7 सीटों पर ही विजयी रही। शिंदे हालांकि अपने गढ़ ठाणे और कल्याण में अपनी ताकत दिखाने में सफल रहे।

महाराष्ट्र में कांग्रेस का इतना बड़ा उभार वाकई आश्चर्यजनक है। महाराष्ट्र में जिस तरह कांग्रेस पार्टी लगातार चुनाव हार रही थी और उसके नेता उसे छोड़ कर जा रहे थे, ऐसे में कांग्रेस का फिर से राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनना उसके भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेताओं ने एकजुटता के साथ चुनाव प्रचार किया। इसके अलावा, कई वरिष्ठ नेताओं के बेटे-बेटियों को मैदान में उतारा गया तो अब तक घर बैठे वरिष्ठ नेता भी सक्रिय हो गये। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान महाराष्ट्र का काफी दौरा किया था जिसका चुनावों पर प्रभाव पड़ा। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में सघन चुनाव प्रचार भी किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में किये गये वादों को जिस तरह विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र क्षेत्र की जनता ने समर्थन दिया है वह दर्शाता है कि लोग तत्काल प्रभाव से राहत चाहते हैं। इसके अलावा मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुटता के साथ कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है जिससे पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर पाई है।

मंडल ने कमंडल को कैसे दी शिकस्त

अभिनय आकाश

साल 1990 जिसे भारतीय सामाजिक इतिहास में 'वाटरशेड मोमेंट' कहा जा सकता है। अंग्रेज़ी के इस शब्द का मतलब है- वह क्षण जहां से कोई बड़ा परिवर्तन शुरू होता है। बोफोर्स घोटाले पर हंगामा और मंडल कमीशन की रिपोर्ट पर सियासत। हाशिए पर पड़े देश के बहुसंख्यक तबके से इतर जातीय व्यवस्था में राजनीतिक चाशनी जब लपेटी गई तो हंगामा मच गया। समाज में लकीर खींची और जातीय राजनीति के धुरंधरों के पांव बारह हो गए। 2024 का लोकसभा चुनाव हाल के दिनों में सबसे दिलचस्प चुनाव साबित हुआ। विपक्षी भारतीय गुट ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को धता बताते हुए बीजेपी-एनडीए को कड़ी टक्कर दी। भले ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने वाले हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया, जबकि इंडिया ब्लॉक ने 234 सीटें हासिल कीं। प्रत्येक राज्य ने दूसरे की तुलना में अलग-अलग मतदान किया। मतदाता को यह न बताएं कि आप वापस आ रहे हैं, 400 पार की तो बात ही छोड़ दीजिए! आम आदमी, यहां तक ??कि अत्यंत अल्प साधनों के बावजूद, यह बर्दाश्त नहीं करेगा कि उसके साथ कोई भेदभाव किया जाए। अगर आप किसी को भी मुफ्त में अनाज या कोई अन्य चीजें लगातार देते चले जाते हो। तो इसे वो लाभ नहीं बल्कि आगे चलकर अपना अधिकार समझने लगता है। इससे इतर गरीब लाभारती का गुस्सा अब सिर्फ 5 किलो मुफ्त राशन से शांत नहीं होगा। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में राशन नहीं रोजगार की गूंज सुनई दी और लोगों ने विकल्प के रूप में अन्य दलों की ओर रुख किया। इस हार के बाद भले ही कहा जा रहा हो कि मोदी मैजिक अब खत्म हो चुका है। लोगों के बीच में उनका करिश्मा अब काम नहीं करता है। उनके भाषणों में वो दम नहीं रहा है। लेकिन सच्चाई ये है कि मोदी फैक्टर कम हो गया है लेकिन ख़त्म होने से बहुत दूर है। पीएम मोदी का अभी भी कई मतदाताओं के बीच एक मजबूत आकर्षण हैं। महिलाएं पुरुषों की तुलना में अलग तरह से वोट करती हैं। महिलाएं भी अलग अलग राज्यों में अलग तरह से वोट करती हैं। यह मान लेना कि डायरेक्ट कैश ट्रांसफर या अन्य महिला-केंद्रित रियायतें जैसी योजनाएं महिलाओं को सामूहिक रूप से आकर्षित करेंगी, पूरी तरह से सही नहीं है। ऐसी योजनाएं ममता बनर्जी के लिए तो काम कर गई लेकिन इसके विपरीत अरविंद केजरीवाल या जगन मोहन रेड्डी के लिए काम नहीं किया। महिलाओं की वोटिंग प्राथमिकता बंगाल से लेकर एमपी, हरियाणा और यूपी के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत अलग थी। यह 543 सीटों वाला चुनाव था, कोई आम चुनाव नहीं। कोई एक कथा नहीं - अलग निर्वाचन क्षेत्र, अलग चुनाव। धर्म-केन्द्रित राजनीति के ध्रुवीकरण में युवाओं की हिस्सेदारी रही है। युवा मतदाताओं के बीच कई लोगों का ये मानना रहा कि हिंदू-मुस्लिम नहीं होना चाहिए। हिंदी हार्टलैंड में नए जाति संयोजनों का उदय देखा गया। हरियाणा में दलितों और जाटों ने देवीलाल युग के बाद पहली बार एक साथ मतदान किया है। पूर्वी राजस्थान में जाट-मीना-गुर्जर गठबंधन आखिरी बार 2018 में देखा गया था। उत्तर प्रदेश में, यादवों के साथ दलितों ने पहली बार मतदान किया था। उत्तर प्रदेश में नई दलित राजनीति का उदय - नगीना में दलित राजनीति की सीट से चंद्रशेखर आज़ाद की उम्मीदवारी पर बारीकी से नजर रखी जा रही थी। उनकी जीत के साथ-साथ बसपा को जीरो सीटें मिलना मायावती की साख पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाता है। वैसे भी इस चुनाव में बसपा को भाजपा की बी टीम के रूप में भी देखा जा रहा था। संविधान बदलने और बचाने के अपने अपने दावों के बीचइंडिया गठबंधन के नैरेटिव ने असर दिखाया। अगर यह उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के एक दलित गांव में संविधान बचाना है थी, तो यह कोलकाता में एक आलीशान कॉफी शॉप में संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ थी। कुल मिलाकर कहे तो मंडल की राजनीति इस बार कमंडल की राजनीति पर भारी पड़ रही। राम मंदिर की गूंज मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में जाति की राजनीति मंदिर की राजनीति पर हावी हो गई।

10 जून को आ रहे कल्कि 2898 एडी के ट्रेलर

‘अश्वत्थामा’ के रूप में रिलीज किया अमिताभ बच्चन का नया पोस्टर

आगामी विज्ञान-कथा महाकाव्य कल्कि 2898 एडी के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर के रिलीज़ होने में केवल तीन दिन बाकी हैं, ऐसे में निर्माता फ़िल्म के प्रति उत्साह बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आज, मेगास्टार अमिताभ बच्चन का अश्वत्थामा अवतार वाला एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी किया गया। अभिनेता अपने अस्त्र को पकड़े हुए और माथे पर एक दिव्य मणि पहने हुए, आकर्षक और युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। वह युद्ध के मैदान के बीच में खड़े हैं और उनके पीछे एक आदमकद वाहन है, जिसके साथ कुछ लोग ज़मीन पर गिरे हुए हैं। इस बात का संकेत देते हुए कि उनका इंतज़ार जल्द ही खत्म होने वाला है, फ़िल्म का ट्रेलर तीन दिन में रिलीज़ होने वाला है, कैप्शन में लिखा है, उनका इंतज़ार खत्म होने वाला है... #Kalki2898AD का ट्रेलर आने में 3 दिन बाकी हैं, 10 जून को रिलीज़ होगा. इस बीच, मध्य प्रदेश के नेमावर, नर्मदा घाट पर एक स्मारकीय प्रक्षेपण के माध्यम से अमिताभ बच्चन के अश्वत्थामा के चरित्र का अनावरण किया गया। इस अवसर के लिए नेमावर और नर्मदा घाट का चयन बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि ऐसा माना जाता है कि अश्वत्थामा अभी भी नर्मदा के मैदान में घूमते हैं, जिससे प्रशंसक फिल्म और अभिनेता के चित्रण के लिए और भी उत्साहित हो गए। अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे कलाकारों से सजी ‘कल्कि 2898 एडी’ नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज़ द्वारा निर्मित है। भविष्य में सेट की गई बहुभाषी, पौराणिक कथाओं से प्रेरित स्फ्द्व-स्न्द्व फिल्म 27 जून 2024 को स्क्रीन पर आएगी।

एमआईएफएफ का 15 से 21 जून तक होगा आयोजन

मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) का 18वां संस्करण 15 से 21 जून तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जाजू ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फिल्म महोत्सव के दौरान मुंबई स्थित ‘एफडी-एनएफडीसी कॉम्प्लेक्स’ में गैर-फीचर फिल्में (वृत्तचित्र, लघु कथा और ‘एनिमेशन’) प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा, एमआईएफएफ के तहत दिल्ली के सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम, चेन्नई के टैगोर फिल्म सेंटर, पुणे के एनएफएआई ऑडिटोरियम और कोलकाता के एसआरएफटीआई ऑडिटोरियम में भी फिल्में दिखाई जाएंगी। मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव वृत्त चित्र फिल्म जगत का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजन बन गया है। इसकी 1990 में शुरूआत की गई थी और तब से हर दो साल में इसका आयोजन किया जाता है। इस बार महोत्सव की शुरुआत ‘नेशनल जियोग्राफिक’ के वृत्तचित्र ‘बिली एंड मौली- एन ओटर लव स्टोरी’ के प्रदर्शन से होगी।

भूल भुलैया 3 और लव स्टोरी ड्रामा में तृप्ति के साथ फ्रेश रोमांटिक जोड़ी बनने पर कार्तिक आर्यन ने कहा-

'जब आर्ट की आती है तो तृप्ति इसे लेकर बहुत कॉन्फिडेंट हैं'

बॉलीवुड के सबसे डिमांडिंग अभिनेता में से एक कार्तिक आर्यन, जो इन दिनों अपनी आगामी और अपने करियर की सबसे चैलेंजिंग फ़िल्म चंदू चैंपियन की रिलीज में बिजी हैं, एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी शैली की फ़िल्म भूल भुलैया 3 में ‘रूह बाबा’ के किरदार में नज़र आने वाले हैं । इस बार भूल भुलैया 3 में एनिमल फ़ेम तृप्ति डिमरी कार्तिक आर्यन की लव इंटरेस्ट का रोल प्ले कर रही हैं । कार्तिक और तृप्ति डिमरी स्क्रीन पर फ्रेश जोड़ी के रूप में नज़र आने वाले हैं । भूल भुलैया 3 के अलावा कार्तिक और तृप्ति डिमरी अनुराग बसु की लव स्टोरी ड्रामा में भी लिड रोल में नज़र आने वाले हैं । हाल ही में चंदू चैंपियन के प्रमोशन के सिलसिले में बॉलीवुड हंगामा के साथ हुए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन ने अपनी अपनी ऑन-स्क्रीन लव इंट्रेस्ट तृप्ति डिमरी की आर्ट की बहुत तारीफ़ की । बॉलीवुड हंगामा के साथ हुए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में कार्तिक ने अपनी भूल भुलैया 3 को-स्टार तृप्ति डिमरी की तारीफ़ करते हुए कहा, मैं तृप्ति के साथ इस समय भूल भुलैया 3 की शूटिंग कर रहा हूं और वह काफ़ी मेहनती एक्ट्रेस हैं । मुझे बहुत ख़ुशी है कि वह इस फ़िल्म का हिस्सा हैं । बात जब आर्ट की आती है, तो वहाँ इसे लेकर बहुत कॉन्फिडेंट हैं । जो की बहुत अच्छा है । क्योंकि जब ऐसे आर्टिस्ट के साथ स्क्रीन पर परफॉर्म करते हो तो रिज़ल्ट अच्छा आता है । इसलिए तृप्ति के साथ काम करना सही मायनों में काफ़ी अच्छा है । अनीस बज़्मी के निर्देशन में बन रही भूल भुलैया 3 में कार्तिक और तृप्ति के साथ ऑरिजनल मंजुलिका यानी विद्या बालन भी अपने ह्नत्र रोल में नज़र आने वाली हैं। वहीं चंदू चैंपियन की बात करें तो, साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून, 2024 को रिलीज के लिए तैयार है और यह दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने वाली है ।

कार्तिक स्टारर चंदू चैंपियन का 8 मिनट का सिंगल-शॉट वॉर सीक्वेंस ऐसे हुआ शूट ; मेकर्स ने रिलीज किया BTS वीडियो

चंदू चैंपियन एक बड़ी फिल्म है जिसकी कहानी बहुत ही शानदार है। ट्रेलर और गानों ने पहले ही इसकी बड़ी और आकर्षक दुनिया का संकेत दे दिया है। ऐसे में अब मेकर्स ने बिहाइंड द सीन का एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें दिखाया गया है कि स्क्रीन पर यह जबरदस्त सीन्स को लाने से पहले उसके लिए तैयारी किस तरह से की गई है। इतना ही नहीं, वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि कैसे टीम ने सिर्फ आठ मिनट के सिंगल-शॉट वॉर सीक्वेंस की शूटिंग के लिए चार दिनों तक उसकी रिहर्सल की है। चंदू चैंपियन के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक बिहाइंड द सीन वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें फिल्म का वन टेक वॉर सीक्वेंस दिखाया गया है। पूरी टीम ने इसे अपने दृढ़ निश्चय के साथ फिल्माया है, वह भी जब तक कि वे इसे सही तरीके से शूट करने में सफल नहीं हो गए। आगे इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, 7 दिन बाकी हैं !! 8 मिनट का सिंगल शॉट वॉर सीक्वेंस। 4 दिनों की रिहर्सल। सिर्फ एक दिन की शूटिंग। 300 सैनिक ।समुद्र तल से 9000 फीट ऊपर और एक टीम जिसने सरेंडर करने से इनकार कर दिया । कश्मीर में #ChanduChampion के सेट पर शूट किए गए हमारे %वन टेक% वॉर सीक्वेंस की कुछ ना भूलने वाली यादें शेयर कर रहे हैं । #ChanduChampion #vythJune"

बीटीएस वीडियो को देख यह पता चलता है कि डायरेक्टर कबीर खान और लीड एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ चंदू चैंपियन की पूरी टीम ने किस तरह से एक वॉर सीक्वेंस को सिर्फ़ एक टेक में शूट करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। ऐसे में अब सिर्फ 7 दिनों में रिलीज़ होने वाली यह फिल्म दर्शकों के बीच अपने प्रीमियर के लिए उत्साह के नई ऊंचाइयों को छू रही है।

तृप्ति ने खरीदा आलीशान बंगला

इंडेक्सटैप डॉट कॉम के मुताबिक एनिमल फेम तृप्ति डिमरी ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम क्षेत्र में कार्टर रोड पर ?14 करोड़ में एक ग्राउंड-प्लस-दो मंजिला बंगला खरीदा है. दस्तावेजों के अनुसार इस लेन-देन पर ?70 लाख की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई गई है. बंगले के कुल एरिया में 2,226 वर्ग फीट का लैंड एरिया और 2,194 वर्ग फीट का बिल्ट अप एरिया शामिल है. इसके लिए 3 जून, 2024 को लेनदेन रजिस्टर किया गया था. डिमरी ने ?30,000 की रजिस्ट्रेशन फीस भी चुकाई है. दस्तावेजों के अनुसार यह प्रॉपर्टी बेचने वाले सेड्रिक पीटर फर्नांडीस और मार्गरेट एनी मैरी फर्नांडीस हैं. फिलहाल इस पर कमेंट के लिए उनसे बात नहीं हो सकी. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति को भी जानकारी के लिए मेल किया गया लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं आया. वैसे अगर आम आदमी के हिसाब से देखा जाए तो 14 करोड़ में तो 14 अच्छे खासे फ्लैट लिए जा सकते हैं.

2023 में तृप्ति डिमरी ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ काम किया. डिमरी हाल ही में ढ्ढरूष्ठड्ढ की टॉप 100 सबसे ज्यादा देखे जाने वाले भारतीय सितारों की लिस्ट में शामिल हुई हैं. मई 2024 में बॉलीवुड फिल्म मेकर करण जौहर ने तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक नई फिल्म धड़क 2 अनाउंस की.

तृप्ति से पहले जॉन अब्राहम ने भी की थी बंगले की डील

दिसंबर 2023 में बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम ने मुंबई के खार इलाके में 5,416 वर्ग फीट का बंगला खरीदा. इसमें 7,722 वर्ग फीट का लैंड एरिया शामिल है. इसकी कीमत रु. 70.83 करोड़ है. फरवरी 2024 में मैकलॉड फार्मास्युटिकल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर गिरधारी लाल बावरी ने मुंबई के विले पार्ले इलाके में 7,000 वर्ग फीट में फैले 3,600 वर्ग फीट के बंगले को रु.101 करोड़ में खरीदा.

बांद्रा का बॉलीवुड कनेक्शन

बांद्रा वेस्ट में कार्टर रोड, बैंडस्टैंड, पाली हिल्स जैसे इलाके सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान जैसे कई बॉलीवुड एक्टर्स के घर हैं. आमिर खान की हाउसिंग सोसाइटी दिसंबर 2023 में चर्चा में थी.

बांद्रा का बॉलीवुड कनेक्शन

बांद्रा पश्चिम में कार्टर रोड, बैंडस्टैंड, पाली हिल्स जैसे इलाके सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान जैसे कई बॉलीवुड एक्टर्स के घर हैं. आमिर खान की हाउसिंग सोसाइटी दिसंबर 2023 में चर्चा में थी. स्थानीय ब्रोकर्स के अनुसार बांद्रा में प्रति वर्ग फीट की दर ?50,000 से ?150,000 प्रति वर्ग फीट तक होती है. यह दर कई कारकों जैसे कि प्रॉपर्टी की एज, इलाके और सामाजिक बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है.

डराने के साथ हंसाती भी है मुंज्या; ट्विस्ट एंड टर्न से भरा सेकेंड हाफ

मुंज्या एक खतरनाक आत्मा की कहानी है। बिट्टू (अभय वर्मा) अपनी माँ पम्मी (मोना सिंह) और दादी (सुहासिनी जोशी) के साथ पुणे में रहता है। पम्मी एक ब्यूटी पार्लर चलाती है और बिट्टू उसके व्यवसाय में उसकी मदद करता है । वह अपनी पड़ोसन बेला (शरवरी) से प्यार करता है लेकिन उसे अपने प्यार का इज़्हार करने का कभी मौका नहीं मिलता । बिट्टू की चचेरी बहन रुक्कू (भाग्यश्री लिमये) की सगाई होने वाली है । इसलिए, बिट्टू, पम्मी और दादी महाराष्ट्र के कोंकण के एक समुद्र तटीय शहर में रुक्कू के घर जाते हैं । रुक्कू के पिता, बालू काका (अजय पुरकर) अपने परिवार के बारे में पुराने ज़ख्मों को खोलते हैं और बताते हैं कि कैसे बिट्टू के पिता की एक अजीब दुर्घटना में मृत्यु हो गई । क्रोधित और दुखी बिट्टू बालू के घर से बाहर निकलता है और भूतिया इलाके चेतुकवाड़ी की ओर जाता है । यहाँ, वह मुंज्या से टकराता है, जो उसके पूर्वजों में से एक की आत्मा है, जो 1952 में मर गया था और जो अपनी दुल्हन, मुन्नी नाम की लड़की की तलाश कर रहा है । मुंज्या को चेटुकवाड़ी में एक बरगद के पेड़ से बांधा गया है, लेकिन परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि वह बिट्टू से जुड़ जाता है । इसके अलावा, केवल बिट्टू ही उसे देख सकता है और मुंज्या उसका जीवन नरक बना देता है क्योंकि वह उससे मुन्नी को खोजने के लिए कहता है । लेकिन मुन्नी बहुत पहले ही मुंज्या के गाँव से चली गई है और उसे ढूँढ़ना उसके लिए एक कठिन काम होगा । आगे क्या होता है, इसके लिए पूरी फ़िल्म देखनी होगी ।

योगेश चांदेकर की कहानी दिलचस्प है। अलग-अलग तरह की आत्माओं पर अलग-अलग फ़िल्में बनी हैं, लेकिन यह %मुंज्या% पर बनी पहली फ़िल्म है और इसलिए यह अलग है । नीरेन भट्ट की पटकथा आकर्षक है, लेकिन फ़र्स्ट हाफ़ में कुछ कमियाँ हैं। नीरेन भट्ट के डॉयलॉग्स फ़िल्म के मनोरंजन को बढ़ाते हैं।

आदित्य सरपोतदार का निर्देशन प्रभावी है। निर्देशक ने अपने कौशल का इस्तेमाल कर एक खौफ़नाक माहौल बनाया है । साथ ही, उन्होंने हास्य के हिस्से को भी नहीं छोड़ा है और इस तरह से फ़िल्म में कॉमेडी और हॉरर दोनों ही बराबर मात्रा में हैं । उन्होंने कहानी को तेज़ गति से आगे बढ़ाया और दर्शकों को बोरियत महसूस नहीं होने दी । उन्होंने शुरुआत में ही बैक स्टोरी को बड़े करीने से पेश किया और फिर कहानी को आगे बढ़ाया। दूसरा भाग बहुत बेहतर है, जिसमें क्लाइमेक्स ट्विस्ट और टर्न से भरा हुआ है । फ़िल्म एक दिलचस्प नोट पर समाप्त होती है और मिड-क्रेडिट सीन पर नज़र रखें । वहीं कमियों की बात करें तो, फ़र्स्ट हाफ़ बेहतर हो सकता था । यह थोड़ा भारी भी हो जाता है क्योंकि दर्शकों पर बहुत ज़्यादा जानकारी फेंकी जाती है और यह केवल सेकेंड हाफ़ में ही स्पष्ट हो पाता है। कुछ चुटकुले वांछित प्रभाव नहीं डालते हैं। साथ ही, कुछ जगहों पर, कहानी बहुत तेज़ी से आगे बढ़ती है। उदाहरण के लिए, वह दृश्य जहाँ बिट्टू आखिरकार मुन्नी को पाता है, उसे बेहतर तरीके से निष्पादित किया जा सकता था। साथ ही, जबकि निर्देशक ने सभी ट्रैक को ठीक से समेटा है, वह एक महत्वपूर्ण किरदार के साथ क्या हुआ, इस बारे में विवरण नहीं देता है । शरवरी की स्क्रीन पर मौजूदगी बहुत अच्छी है; जब वह फ्रेम में होती हैं, तो कोई किसी और की ओर नहीं देखता। अभिनय के लिहाज से, वह बेहतरीन हैं और %तरस% गाने में कमाल की दिख रही हैं। हालांकि, फ़र्स्ट हाफ़ में उनके पास करने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है। अभय वर्मा अपने किरदार में पूरी तरह से उतर जाते हैं और बहुत ही बेहतरीन अभिनय करते हैं। उन्होंने अपनी बॉडी लैंग्वेज भी सही रखी है। मोना सिंह सपोर्टिंग रोल में अपनी छाप छोड़ती हैं। सुहासिनी जोशी प्यारी लगती हैं। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद, वह शो में धमाल मचा देती हैं। एस सत्यराज (एल्विस करीम प्रभाकर) बहुत मनोरंजक हैं और उनकी कास्टिंग फ़िल्म में बहुत कुछ जोड़ती है। भाग्यश्री लिमये ठीक-ठाक हैं जबकि अजय पुरकर शानदार हैं। कोई भी उनसे नफ़रत करने से खुद को नहीं रोक सकता। तरनजोत सिंह (स्पीलबर्ग) हँसाते हैं; हालाँकि, उनका लव ट्रैक अचानक से उभर कर आता है। रिचर्ड लोवेट (कुबा) अच्छे हैं और उन्हें अच्छा प्रदर्शन नहीं मिला है। श्रुति मराठे (गोट्या की माँ) के पास करने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है। आयुष उलगडे अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। सचिन-जिगर का संगीत कहानी में अच्छी तरह से बुना गया है । %तरस% पैर थिरकाने वाला और अच्छी तरह से फिल्माया गया है। %तेनु खबर नहीं% भावपूर्ण है, जबकि %हैजामालो% फिल्म की थीम के साथ तालमेल बिठाता है। जस्टिन वर्गीस का बैकग्राउंड स्कोर प्रभाव को बढ़ाता है। सौरभ गोस्वामी की सिनेमैटोग्राफी साफ-सुथरी है। कुदाल और गुहागर के स्थानों को लेंसमैन ने खूबसूरती से कैद किया है। अमित रे और सुब्रत चक्रवर्ती का प्रोडक्शन डिजाइन यथार्थवादी है। शीतल इकबाल शर्मा की वेशभूषा जीवन से बिल्कुल अलग है, जबकि शरवरी द्वारा पहनी गई वेशभूषा आकर्षक है। आर पी यादव और डेरेल मैकलीन का एक्शन खूनी नहीं है। रिडिफाइन का वीएफएक्स सराहनीय है। मुंज्या का किरदार, खासकर, बहुत अच्छी तरह से परिकल्पित और निर्मित किया गया है। मोनिशा आर बलदावा की एडिटिंग शानदार है।

कुल मिलाकर, मुंज्या एक मनोरंजक हॉरर-कॉमेडी है जिसका सेकेंड हाफ़ बहुत मनोरंजक है। बॉक्स ऑफिस पर, फिल्म की शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन ये फ़िल्म अपनी शैली, पॉजिटिव वार्ड ऑफ़ माउथ के कारण और मैडॉक सिनेमैटिक यूनिवर्स के साथ जुड़ाव के कारण दर्शकों को थिएटर में खींच सकती है ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत पहुंची शेख हसीना

नईदिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना रविवाद को नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से पहले शनिवार को नई दिल्ली दिल्ली पहुंचीं। हाल के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत मिलने के बाद मोदी रिकॉर्ड तीसरी बार भारतीय पीएम बनेंगी। मोदी को रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। हसीना शनिवार सुबह करीब 11 बजे एक विशेष उड़ान से ढाका से रवाना हुईं और 9 जून तक राष्ट्रीय राजधानी में रहेंगी। वह 10 जून को घर लौटेंगी। इससे पहले हसीना ने मनोनीत भारतीय प्रधानमंत्री को अपनी शुभकामनाएं दीं। जिसका जवाब मोदी ने यह कहकर दिया कि भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं, जिनमें पिछले दशक में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, मैं हमारी जन-केंद्रित साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।

चुनाव परिणाम हमारा मनोबल बढ़ाने वाला : जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नैतिक हार हुई है वहीं पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के लिए परिणाम मनोबल बढ़ाने वाला है। भाजपा ने इस चुनाव में 240 सीट जीती हैं तथा उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कुल 293 सीट हासिल हुई हैं। कांग्रेस ने 99 सीट जीती हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी की कार्य समिति और संसदीय दल की बैठकों का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''2024 का चुनाव नरेन्द्र मोदी और भाजपा के लिए एक नैतिक हार है, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और 'इंडिया जनबंधन' के लिए मनोबल बढ़ाने वाला है।'' कांग्रेस नेता ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''नरेन्द्र मोदी के लिए ढोल पीटने वाले उनकी नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार वाले जनादेश में भी उम्मीद की किरण तलाश रहे हैं।''

शपथ ग्रहण से पहले, कांग्रेस को अंगूर खट्टे लगने लगे

पटना। जेडीयू नेता राजीव रंजन(ललन) सिंह ने कहा कि कांग्रेस को अंगूर खट्टे लगते हैं, जब उन्हें अंगूर नहीं मिलते हैं। ललन ने कहा कि वे तो सरकार बना रहे थे, कह रहे थे कि देश का संविधान खतरे में था। लेकिन, शुक्रवार को जब एनडीए सांसदों की संसद में बैठक बुलाई गई और आपने देखा कि जब प्रधानमंत्री सेंट्रल हॉल में पहुंचे तो उन्होंने भारत के संविधान के सामने सिर झुकाया। इसलिए कांग्रेस का हाल यह है कि जब अंगूर नहीं मिलता तो इसी तरह खट्टे अंगूर लगते हैं। यहां बताते चले कि एनडीए की बैठक में तीसरी बार पीएम मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए सभी के समर्थन से चुना गया है। पीएम मोदी 9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। साल 1962 के बाद पीएम मोदी देश के दूसरे ऐसे प्रधानमंत्री बन जाएंगे जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। पीएम के शपथ ग्रहण में बीजेपी सहित एनडीए के सभी सांसद मौजूद रहेंगे।

चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों की जीत हुई है : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में नकारात्मक राजनीति खत्म हो गई और सकारात्मक राजनीति का दौर शुरू होने के साथ ही जनता से जुड़े मुद्दों की जीत हुई है। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से अखिलेश यादव ने कहा, ''एक तरफ जहां इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस की जीत हुई है और पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति की जीत हुई है। सपा (चुनाव में) देश की तीसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बड़े पैमाने पर जनता का समर्थन मिला है। यादव ने कहा कि समाजवादियों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है, चाहे वह जनता से जुड़े मुद्दे उठाना हो, जनता के हितों को ध्यान में रखना हो या अपनी बात रखना हो। उन्होंने कहा, नकारात्मक राजनीति खत्म हो गई है और सकारात्मक राजनीति का दौर शुरू होने के साथ ही जनता से जुड़े मुद्दों की जीत हुई है।

कांग्रेस का पुनरुत्थान शुरू हो गया है : केसी वेणुगोपाल

नईदिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पार्टी के कई नेताओं ने राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का आग्रह किया। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बाद में पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) में पिछले चार महीने के मुकाबले अब का माहौल अलग है। हमारे नेता और कार्यकर्ताओं में उत्साह है, कांग्रेस का पुनरुत्थान शुरू हो गया है। कांग्रेस कार्यसमिति में यही भावना है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद लेने का अनुरोध किया...राहुल जी संसद के अंदर इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी ने सीडब्ल्यूसी से कहा कि वह (लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने पर) बहुत जल्द फैसला लेंगे।

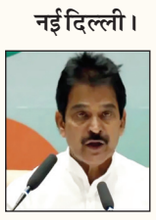

सीडब्ल्यूसी की बैठक में बोले कांग्रेस अध्यक्ष

तानाशाही और संविधान विरोधी ताकतों को दिया करारा जवाब : खड़गे

नईदिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने शनिवार को पार्टी की कार्य समिति की बैठक में अपनी भविष्य की रणनीति तैयार करने के लिए लोकसभा चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श शुरू किया। बैठक में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित शीर्ष नेता भाग ले रहे हैं, इसके अलावा अन्य नेता भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे। सीडब्ल्यूसी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि मैं इस तथ्य पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जहां भी भारत जोड़ो यात्रा गई, हमने कांग्रेस पार्टी के लिए वोट प्रतिशत और सीटों की संख्या में वृद्धि देखी।

खड़गे ने कहा कि मणिपुर में हमने दोनों सीटें जीतीं। हमने नागालैंड, असम और मेघालय में भी सीटें जीतीं। महाराष्ट्र में हम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे। देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए सभी क्षेत्रों के लोगों ने कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया। इसके अलावा, हमने एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाताओं के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभुत्व वाली सीटों में वृद्धि देखी। आगे चलकर हमें शहरी क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। उन्होंने कहा कि जब हम पुनरुद्धार का जश्न मना रहे हैं, तो हमें थोड़ा रुकना चाहिए क्योंकि कुछ राज्यों में हमने अपनी क्षमताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। इसके अलावा, हम उन राज्यों में अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा सके जहां हमने पहले विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था और सरकार बनाई थी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम जल्द ही ऐसे प्रत्येक राज्य पर अलग-अलग चर्चा करेंगे। हमें तत्काल उपचारात्मक कदम उठाने होंगे। ये वे राज्य हैं जो परंपरागत रूप से कांग्रेस के पक्षधर रहे हैं, जहां हमारे पास अवसर हैं जिनका उपयोग हमें अपने फायदे के लिए नहीं बल्कि अपने लोगों के लाभ के लिए करना है। मैं इस अभ्यास को बहुत जल्द आयोजित करने का प्रस्ताव करता हूं। उन्होंने कहा कि हमें अनुशासित रहना चाहिए, एकजुट रहना चाहिए। लोगों ने बड़े पैमाने पर हम पर अपना विश्वास जताया है और हमें इसे कायम रखना चाहिए। हम इस फैसले को सच्ची विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैं इंडिया अलायंस के साझेदारों को स्वीकार नहीं करता, तो मैं अपने कर्तव्य में असफल होऊंगा, जिसमें प्रत्येक पार्टी ने अलग-अलग राज्यों में अपनी निर्दिष्ट भूमिका निभाई, प्रत्येक पार्टी ने दूसरे को योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस पर भरोसा कर तानाशाही और संविधान विरोधी ताकतों को करारा जवाब दिया है। 'इंडिया' के घटक दलों ने एक टीम के रूप में काम किया, हमें यह याद रखना चाहिए कि हम परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एससी/एसटी/ओबीसी, अल्पसंख्यक और ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस की सीटें बढ़ी हैं लेकिन शहरी मतदाताओं के बीच अपना प्रभाव बनाने के लिए हमें काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन कायम रहना चाहिए; हम संसद के अंदर और बाहर सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अनुशासित और एकजुट रहना होगा। लोगों ने हम पर एक बार फिर भरोसा किया है और हमें इसे कायम रखना होगा।

जदयू ने किया बड़ा खुलासा

इंडी गठबंधन ने नीतीश को दिया था पीएम पद का ऑफर!

पटना। लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद एनडीए को सरकार बनाने का प्रस्ताव राष्ट्रपति से मिला है। एनडीए शपथ ग्रहण की तैयारी में जुटा है। इस बीच जेडीयू के सलाहकार और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के सी त्यागी ने कहा कि वही इंडिया ब्लॉक जिसने पार्टी सुप्रीमो और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना राष्ट्रीय संयोजक बनाने से इनकार कर दिया था, अब नीतीश को पीएम बनाने की पेशकश कर रहा है। त्यागी ने कहा कि उन्होंने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है और मजबूती से एनडीए के साथ हैं। त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार को इंडिया ब्लॉक से प्रधानमंत्री बनने का ऑफर मिला। उन्हें उन लोगों से प्रस्ताव मिला जिन्होंने उन्हें इंडिया ब्लॉक का संयोजक नहीं बनने दिया। उन्होंने इससे इनकार कर दिया है और हम मजबूती से एनडीए के साथ हैं।

यह रहस्योद्घाटन उन अटकलों के बीच हुआ है कि इंडिया गुट जद (यू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के साथ तालमेल बिठा रहा है, जो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी हैं, ताकि केंद्र में सरकार बनाने के लिए संख्या बल जुटाया जा सके। इंडिया ब्लॉक ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को धता बताते हुए 2024 के लोकसभा चुनावों में जोरदार प्रदर्शन किया और 543 में से 234 सीटें जीतीं। दूसरी ओर, एनडीए ने 293 सीटें हासिल कीं, जबकि बीजेपी को 240 सीटें मिलीं, जो बहुमत के आंकड़े से 32 कम है।

जब त्यागी से पूछा गया कि किस नेता या नेताओं ने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद की पेशकश की, तो उन्होंने किसी का भी नाम लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ नेता इस ऑफर के लिए सीधे नीतीश कुमार से संपर्क करना चाहते थे। लेकिन उनके और हमारी पार्टी के नेताओं के साथ जो व्यवहार किया गया, उसके बाद हमने इंडिया ब्लॉक छोड़ दिया। हम एनडीए में शामिल हो गए हैं और अब पीछे मुड़कर देखने का सवाल ही नहीं है। गौरतलब है कि शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वो मजबूती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देते रहेंगे।

हमें लोगों के फैसले को विन्रमता से स्वीकार करना चाहिए: नवीन पटनायक

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि लोगों के फैसले को विन्रमता से स्वीकार करना चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वह हर संभव तरीके से ओडिशा के लोगों की सेवा करते रहेंगे।

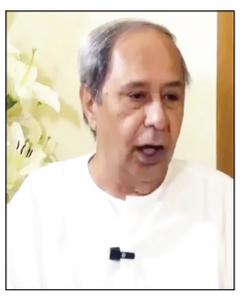

ओडिशा के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे पटनायक ने पीटीआई-वीडियो से कहा कि उन्हें बीजद सरकार और पार्टी पर गर्व है। पटनायक को हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में, 24 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने हमेशा कोशिश की है और बेहतरीन काम किया है। हमारे पास अपनी सरकार और पार्टी पर गर्व करने के लिए बहुत कुछ है। लोकतंत्र में या तो आप जीतते हैं या हारते हैं।

पटनायक ने कहा, लंबे समय बाद शिकस्त मिलने पर हमें हमेशा जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। मैंने हमेशा कहा है कि ओडिशा के 4.5 करोड़ लोग मेरा परिवार हैं। मैं उनकी हरसंभव सेवा करता रहूंगा। उन्होंने ओडिशा के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने बार-बार मुझे अपना आशीर्वाद दिया है।

भाजपा ने ओडिशा की 147 विधानसभा सीट में से 78 पर जीत दर्ज कर बीजद के 24 साल के शासन को समाप्त करते हुए सत्ता हासिल की। वहीं, बीजद को केवल 51 सीट पर ही जीत मिली, जबकि कांग्रेस ने 14 और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती और तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी हुए।

पहली बार लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का नाम आरोप पत्र में शामिल, सीबीआई ने बढ़ा दी मुसीबत

पटना। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लेने के कथित आरोपों का सामना कर रहे लालू परिवार के लिए सीबीआई ने और ज्यादा मुश्किलें बढ़ा दी है। सीबीआई ने पहली बार इस मामले में लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव का नाम आरोप पत्र में उल्लेखित किया है। सीबीआई की ओर से दाखिल अंतिम आरोप पत्र में लालू प्रसाद यादव और 77 अन्य आरोपियों का नाम शामिल किया गया है। इसमें सबसे चौंकाने वाला तेज प्रताप यादव का रहा है। इसे लेकर अब भाजपा ने कहा है कि लालू यादव ने अपने परिवार का वह हाल कर दिया कि सब इस घोटाले के लपेटे में आ गए हैं।

इस मामले में भाजपा प्रवक्ता राम सागर सिंह ने शनिवार को कहा कि हेलीकॉप्टर यात्रा के बाद अब तेजस्वी यादव जेल यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने अपने इस घोटाले में परिवार के सभी लोगों के साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों तक सबको फंसा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही कहा था कि भ्रष्टाचारियों की जगह जेल में होगी। अब तेजस्वी का वही हाल होगा। जैसे चारा घोटाला में लालू यादव सजायाफ्ता हुए वैसे ही अब लैंड फॉर जॉब में भी लालू परिवार के सारे लोग सजा पाएंगे। सीबीआई के बाद जल्द ही ईडी भी इस मामले में आरोप पत्र दाखिल करने वाली है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई के द्वारा दाखिल किए गए आरोप पत्र में लालू यादव की बेटी हेमा यादव और लालू के तत्कालीन ओएसडी भोला यादव का भी नाम शामिल है। आरोप पत्र में भारतीय रेलवे के 29 सरकारी कर्मचारी, 37 उम्मीदवार और छह निजी व्यक्ति भी इसमें शामिल हैं। आरोपपत्र में जिन उम्मीदवारों के नाम हैं, वे वे हैं जिन्होंने रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरी के बदले में अपनी जमीनें लालू परिवार को दे दी थीं।

खेल
प्रमुख समाचार

बांग्लादेश ने रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को दो विकेट से हराया

डलास। युवा लेग स्पिनर रिशाद हुसैन के तीन

विकेट और महमूदुल्लाह रियाद की संयमित पारी के दम पर बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया। डलास की अच्छी पिच पर रिशाद की गुगली और लेग ब्रेक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी। रिशाद ने सात गेंद के भीतर तीन विकेट लेकर श्रीलंका को नौ विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। उन्होंने चार ओवरों में 22 रन देकर तीन विकेट लिये। एक समय पर श्रीलंका का स्कोर 8 . 4 ओवर में दो विकेट पर 70 रन था लेकिन उसने सात विकेट 54 रन के भीतर गंवा दिये। मुस्ताफिजूर रहमान ने 17 रन देकर तीन विकेट लिये।

श्रीलंका के लिये सिर्फ पाथुम निसांका ही डटकर खेल सके जिन्होंने 28 गेंद में 47 रन बनाये। धनंजय डिसिल्वा ने 21 रन की पारी खेली। जवाब में बांग्लादेश के लिये तौहीद हृदय ने 20 गेंद में चार छक्कों की मदद से 40 रन बनाये और चौथे विकेट के लिये लिटन दास (38 गेंद में 36 रन) के साथ 63 रन की साझेदारी की। नुवान तुषारा ने हालांकि 18 रन देकर चार विकेट लेते हुए श्रीलंका को मैच में लौटाया। बांग्लादेश के पांच विकेट 21 रन के भीतर गिर गए। उस समय स्कोर आठ विकेट पर 113 रन था और बांग्लादेश को जीत के लिये 12 रन की जरूरत थी। अनुभवी महमूदुल्लाह ने दासुन शनाका को 19वें ओवर में छक्का लगाया। सातवें नंबर पर उतरे महमूदुल्लाह 13 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हारने के बाद ग्रुप डी से श्रीलंका के सुपर आठ में पहुंचने की संभावनायें क्षीण हो गई हैं। बांग्लादेश को अब नेपाल और नीदरलैंड से खेलना है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। बिजली कारोबार समाधान प्रदाता पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 30 प्रतिशत घटकर 91.11 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 91.11 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 129.34 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल मात्रा 10 प्रतिशत बढ़कर 18.02 अरब यूनिट तक पहुंच गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 16.39 अरब यूनिट थी। वित्त वर्ष 2023-24 में उसका एकीकृत लाभ बढ़कर 533.16 करोड़ रुपये हो गया जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 507.15 करोड़ रुपये था। पीटीसी इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजीव के मिश्रा ने बताया कि निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7.80 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है।

दिल्ली में खुला टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट

नईदिल्ली। अगर आप सेकंड हैंड कार खरीदने की सोच रहे हैं तो आपके लिए ये खबर काम की हो सकती है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की स्वामित्व वाली टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट (टीयूसीओ) का दिल्ली में शुक्रवार को उद्घाटन हुआ। कंपनी का भारत में यह दूसरा आउटलेट है जिसका ब्रांड नाम टोयोटा यू-ट्रस्ट है। कंपनी ने ग्राहकों को हाई क्वालिटी वाली और सुरक्षित यूज्ड कार प्रोवाइड करने के लिए इस आउटलेट को दिल्ली में खोला है। टोयोटा के 15,000 वर्ग फुट के प्रभावशाली स्थान पर फैले इस नए आउटलेट में 20 से अधिक टोयोटा प्रमाणित वाहन प्रदर्शित किए जा सकते हैं। कंपनी ने जानकारी दी कि टोयोटा वाहनों को खरीदने और बेचने दोनों के लिए एक समर्पित रिटेल टचप्वाइंट के रूप में, टुको की प्रत्येक कार वैश्विक टोयोटा मानकों के आधार पर 203-बिंदु निरीक्षण से गुजरती है।

श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की: आईएमएफ

कोलंबो। नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में हाल ही में पहली बार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अब श्रीलंका की तारीफ की है। आईएमएफ का कहना है कि देश में व्यापक आर्थिक नीति में सुधार के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। साथ ही उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंच जाएगा। बता दें, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने शुक्रवार को श्रीलंका के लिए 2.9 अरब डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि व्यापक आर्थिक नीति से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार देखा जा रहा है। देश में आर्थिक संकट गहराया तो भोजन, बिजली, ईंधन और मूलभूत सुविधाओं की कमी हो गई थी। अब श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर पर्याप्त रूप से मजबूत प्रगति की है।

आरबीआई पर बढ़ने लगा रेपो दर घटाने का दबाव

नई दिल्ली। मजबूत आर्थिक वृद्धि और महंगाई घटने के साथ आरबीआई पर रेपो दर में कटौती का दबाव बढ़ने लगा है। केंद्रीय बैंक की ब्याज दर निर्धारण समिति के बाहरी सदस्य जयंत आर वर्मा लंबे समय से रेपो दर में कम-से-कम 0.25 फीसदी की कटौती की वकालत कर रहे हैं। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास समेत चार सदस्यों ने प्रमुख नीतिगत दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए। हमें जब भरोसा हो जाएगा कि यह चार फीसदी पर स्थिर रहेगी और आगे नहीं बढ़ेगी, तभी हम रेपो दर में कटौती के बारे में सोचेंगे।

टी20 विश्व कप में पिछले दो दिन में हो गए चार बड़े उलटफेर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के नौवें संस्करण का आयोजन अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हो रहा ह। अब तक 16 सिर्फ 16 मुकाबले खेले गए हैं लेकिन विश्व कप का रोमांच अभी से शुरू हो गया। पिछले दो दिनों में दर्शकों को टी20 विश्व कप के इतिहास के चार बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं। हाल ही में 2009 की विश्व कप विजेता पाकिस्तान की टीम को अमेरिका ने सुपर ओवर में हराया था। वहीं, शनिवार को अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड जैसी दमदार टीम को हराकर सुपर-8 के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली।

अमेरिका बनाम पाकिस्तान

पाकिस्तान और अमेरिका के बीच शुक्रवार को टी20 विश्व कप 2024 का 11वां मुकाबला खेला गया। डलास के ग्रैंड प्रियरी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान को कभी न भूलने वाली शिकस्त मिली। डेब्यूटेंट अमेरिका ने बाबर आजम की टीम को सुपर ओवर में हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में अमेरिका ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाए। इस स्थिति में मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा। अमेरिका ने 18 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 13 रन बना सकी। इस जीत के साथ मोनांक पटेल की टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, पाकिस्तान पहले मैच में हार के साथ चौथे पायदान पर है। रविवार को बाबर आजम की टीम का भारतीय खिलाड़ियों से सामना होगा। भारत अपना पहला मैच आयरलैंड के खिलाफ जीतकर दूसरे स्थान पर है।

कनाडा बनाम आयरलैंड

ऐसा ही उलटफेर सात जून को कनाडा और आयरलैंड के बीच खेले गए मैच में

हुआ। कनाडा ने टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप-ए के मुकाबले में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली आयरलैंड को 12 रनों से हराकर उलटफेर किया। कनाडा की इस वैश्विक टूर्नामेंट में यह पहली जीत है। कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निकोलस किरटॉन के 49 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में सात विकेट पर 137 रन बनाए थे। जवाब में आयरलैंड की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 125 रन ही बना सकी। कनाडा की टीम ने आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। कनाडा टी20 विश्व कप में कोई मैच जीतने वाली 22वीं टीम बनी। वहीं, कनाडा ऐसी 11वीं टीम है जिसके खिलाफ टी20 में आयरलैंड को हार मिली।

न्यूजीलैंड बनाम अफगानिस्तान

अफगानिस्तान ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 84 रनों से जीत हासिल कर टी20 विश्व कप 2024 में तीसरा बड़ा उलटफेर किया। इस टूर्नामेंट के 14वें मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान 15.2 ओवर में 75 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ राशिद खान की टीम ग्रुप सी की अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। दो मैचों में जीत के साथ उनके खाते में चार अंक हैं जबकि कीवी टीम अपने पहले ही मैच में शिकस्त की वजह आखिरी पायदान पर है।

बांग्लादेश बनाम श्रीलंका

टी20 विश्व कप 2024 का 15वां मैच बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ दो विकेट से जीतकर मौजूदा टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर कर दिया। ग्रुप डी के रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ बांग्लादेश ने सुपर-8 के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। फिलहाल अंक तालिका में नाजमुल हसन शांतो की टीम तीसरे स्थान पर है। डलास के ग्रैंड प्रियरी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने पथुम निसंका की 47 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 124 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 19 ओवर में आठ विकेट पर 125 रन बनाए और दो विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश की यह इस टूर्नामेंट में पहली जीत है।

सुशासन और
समग्र विकास

निर्भीक, अनवरत, अनथक और उदार नेतृत्व के साथ विकसित भारत के संकल्प के पूर्णता की शपथ

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद- 40297/110

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.